हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
रायपुर, रविवार 29 मार्च 2026

STARSHINE

Warranty lambi ho, toh faisla asaan ho jaata hai

Starshine Fans
5 Saal ki Warranty ke saath.

5 YEAR WARRANTY on High-Speed Starshine Fans.

"Images are for representation purposes only"

www.starshine.co.in

ATUL

भारत के इतिहास में पहली बार जीवन भर मुफ्त बिजली

मात्र 1 रुपए प्रति किलोवाट के दर से भुगतान करके आज ही बुक करें सोलर सिस्टम एवं गिफ्ट पाए 30 हज़ार* से 5 लाख* तक का

भारत सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत (केंद्र सरकार +राज्य सरकार +एडवांस सोलर) से पायें सब्सिडी 1,28,000 एवं 30 वर्षों के अनुभव एवं विश्वास के साथ एडवांस इंटरनेशनल ग्रुप अब सोलर के क्षेत्र में क्रांति ला रही है।

छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु-मुफ्त बिजली अब सबके लिये मुफ्त बिजली के साथ अब अतिरिक्त बिजली बेचकर कमा भी सकते है

सोलर पैनल क्षमता	कुल सब्सिडी केंद्र सरकार + राज्य सरकार + एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सब्सिडी*	एडवांस सोलर कंपनी द्वारा गिफ्ट / डिस्काउंट (on MRP)	गिफ्ट/डिस्काउंट + कुल सब्सिडी + OTP डिस्काउंट के पश्चात बेस प्राइस	मासिक EMI सब्सिडी के पश्चात	मासिक बिजली बचत रुपये*(लगभग)	सोलर सिस्टम सोलर सिस्टम लगाने के लिए छत पर जगह की ज़रूरत
3kw (3000 watt)	123,000/- 78,000 + 30,000 +15000	30,000/-	48,000/-*	650/-*	₹2400 से 3000 तक	150 sq ft
4kw (4000 watt)	128,000/- 78,000 + 30,000 +20000	30,000/-	84,000/-*	1050/-*	₹3200 से 4000 तक	210 sq ft
5kw (5000 watt)	128,000/- 78,000 + 30,000 +20000	40,000/-	1,25,000/-*	1670/-*	₹4000 से 5000 तक	270 sq ft
8kw (8000 watt)	128,000/- 78,000 + 30,000 +20000	80,000/-	2,70,000/-*	3543/-*	₹6400 से 8000 तक	420 sq ft
10kw (10000 watt)	128,000/- 78,000 + 30,000 +20000	1,40,000/-	3,60,000/-*	4668/-*	₹8000 से 10,000 तक	510 sq ft

Note: Installation Charge + Transportation Charge + 5% GST Will Be Additional

एक देश - एक रेट

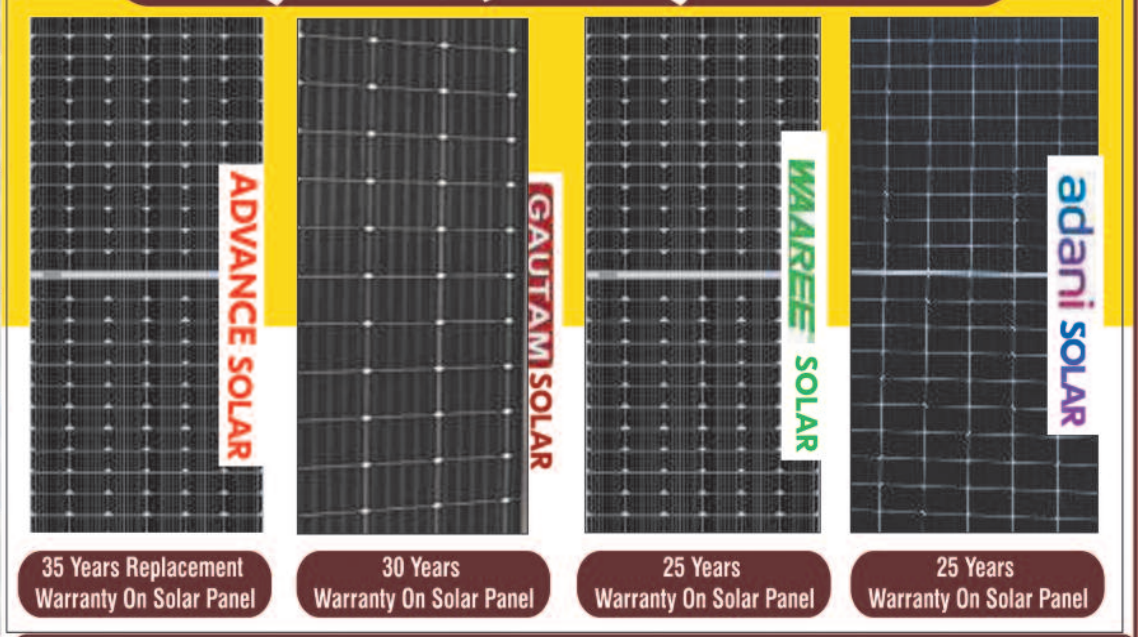

35 Years Replacement Warranty On Solar Panel | 30 Years Warranty On Solar Panel | 25 Years Warranty On Solar Panel | 25 Years Warranty On Solar Panel

अब दिन हो या रात-सीएसईबी की बिजली कट होने पर भी एडवांस हाइब्रिड सोलर से आपके घर की बिजली जलती रहेगी

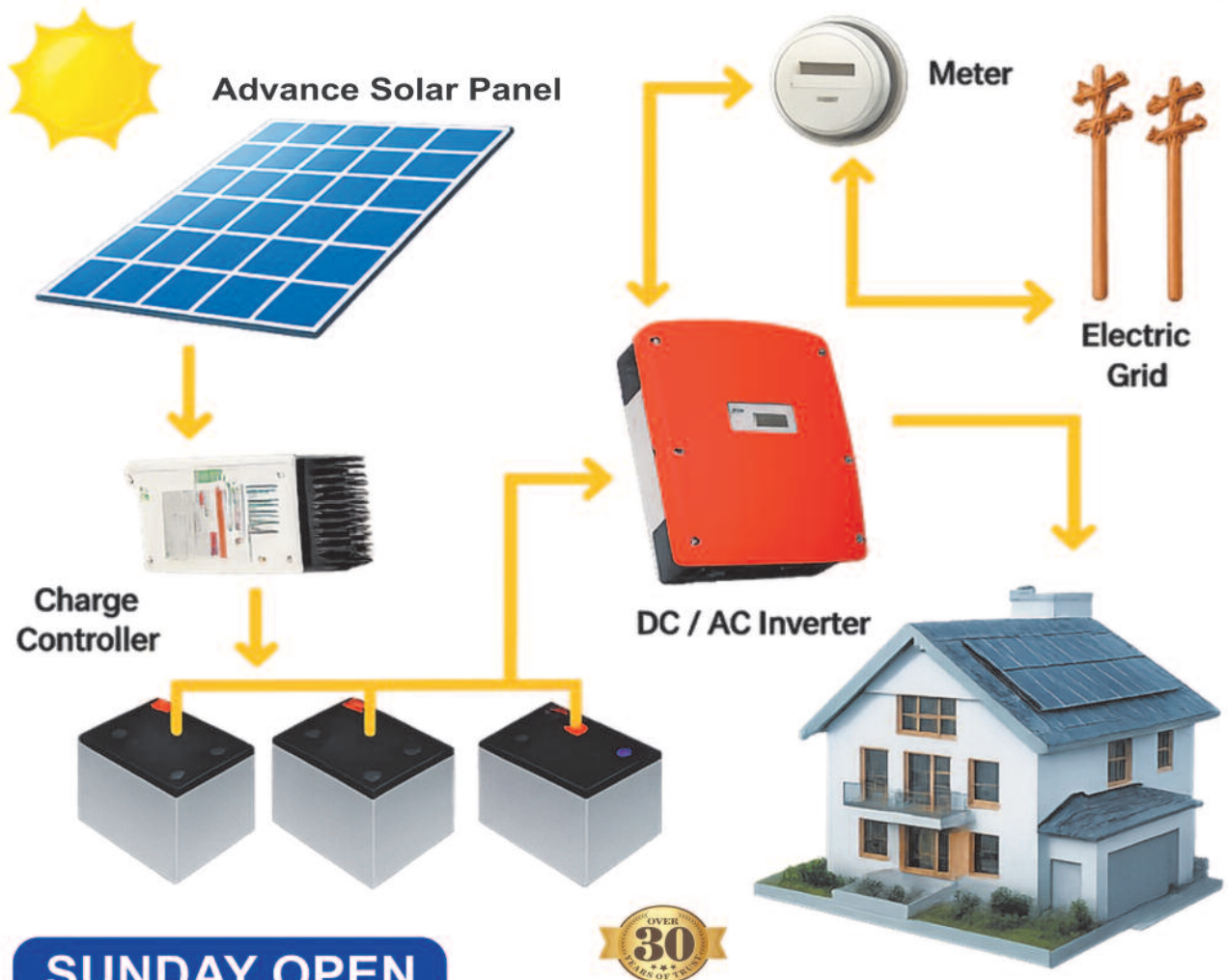

SUNDAY OPEN

OVER 30 YEARS OF TRUST

TRUST OF 30 YEARS

सोलर पैनल एडवांस,अडानी, वारी, गौतम

स्ट्रक्चर (फ्रेम)- हैवी गैल्वेनाइज्ड आयरन

केबल्स- फिनोलेक्स, हैवल्स, खेतान

इन्वर्टर - हैवल्स, पॉलीकैब, वारी, एडवांस

सोलर पैनल वारटी- 35 वर्ष , इंवर्टर वारंटी-15* वर्ष, फ्री सर्विस 5 वर्ष

AC केबल- 4 MM 2 Core Copper (Havels), कम्पलीट अर्थिंग केबल 6 Sq.MM Copper DC केबल 4 Sq.MM Copper (Havels)

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सोलर सिस्टम लगवाने के फायदे

- भारत की सबसे बड़ी* सोलर ईपीसी कंपनी
- सर्विस इंडस्ट्री का सर्वाधिक 30 वर्षों का अनुभव
- देश के 9 राज्यो में 700 कर्मचारियों के माध्यम से सर्विस उपलब्ध
- मार्च 2026 तक देश के 25 राज्यो तक एडवांस सोलर की सेवाये
- सबसे ज़्यादा 35 वर्ष वारंटी सोलर पैनल में एवं 15 वर्ष रिप्लेशमेंट वारंटी इन्वर्टर में प्रदान करने वाले एकमात्र कंपनी
- आधुनिक तकनीक के साथ सोलर मॉड्यूल तकनीक का उपयोग
- ई-बीम फायर प्रूफ डीसी वायर का उपयोग करने वाली एक मात्र कंपनी
- 6 Sq.MM कॉपर द्वारा सभी अर्थिंग सिस्टम लगाने वाली एकमात्र कंपनी
- छतीसगढ़ की सबसे बड़ी टीम प्रत्येक ब्लॉक, तहसील एवं शहर हेतु
- हर घर सोलर अभियान' सहित फ्री गिफ्ट एवं डिस्काउंट ऑफर
- 3 KW हेतु 123000 एवं 5 किलोवाट हेतु 128000 की कुल सब्सिडी स्कीम

शासकीय क्रमचारी एवं सीएसईबी के कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त छूट

OTP डिस्काउंट ऑफर

पूर्ण भुगतान एक बार में कीजिए एवं ओटीपी (वन टाइम पेमेंट) डिस्काउंट ऑफर में अतिरिक्त डिस्काउंट का लाभ लेवे ।

- 3 kw -3000/- OTP discount
- 8 kw-8000/- OTP discount
- 5 kw-5000/- OTP discount
- 10 kw-10000/- OTP discount

डीलरशिप ऑफर !!

जुड़िये भारत की सबसे बड़ी सोलर ईपीसी कंपनी के साथ एवं पायें व्यवसाय के साथ बेहतर भविष्य

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु डीलर बनने का ऑफर दिया जा रहा है। आज ही एडवांस सोलर कंपनी का डीलर बने एवं कमाये 5 लाख से 10 लाख तक प्रतिमाह । अपने क्षेत्र में डीलर बनने हेतु आवेदन हेतु करे

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है https://advancesolar.in/dealer.php

Call / Whatsapp 9109969159 / 8839871093

कौन कौन बन सकते हैं कंपनी ऑथराइज़्ड डीलर

वर्तमान व्यवसायी | सरकारी कर्मचारी | प्राइवेट क्रमचारी | कोई भी महिला | संविदा कर्मचारी | एलआईसी एजेंट | किसान | एडवोकेट | जमीन /रियल एस्टेट एजेंट | टीचर/प्रोफेसर | आंगनबाड़ी कार्यकर्ता | सभी तरह के दुकानदार | कॉलेज स्टूडेंट | इंटेरियर /आर्किटेक्ट | डॉक्टर/इंजीनियर

एडवांस सोलर डीलरशिप के फायदे !!

- सोलर पॉवर क्षेत्र में कार्य करना एक बेहतर भविष्य का निर्माण करना है एवं सर्विस इंडस्ट्री में 30 वर्षों के अनुभव के साथ एडवांस सोलर भारत की सबसे तेजी से बढ़ती हुई कंपनी है।
- भारत का पहला बिज़नेस मॉडल जिसमे ग्रांटेड लाभ एवं जीरो लॉस की गारंटी है।
- भारत का पहला बिज़नेस मॉडल जिसमें लागत का 20 गुना तक आय प्रतिवर्ष लिया जा सकता है।
- सोलर पावर के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग एवं सभी तरह के सोलर सिस्टम रेंज (1KW SE 10 MW) की उपलब्धता (ऑफ़ ग्रिड, ऑन ग्रिड, हाईब्रिड)
- छतीसगढ़ सहित देश के 25 राज्यो में टीम का विस्तार एवं सर्विस उपलब्ध
- छतीसगढ़ सहित भारत के किसी भी राज्य में पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम लगाने का मौका
- छतीसगढ़ की सबसे बड़ी सोलर टीम के साथ काम करने का मौका
- छतीसगढ़ की सबसे बड़ी सोलर वेयरहाउस एवं हमेशा (2-10 किलोवाट 1000 सोलर किट की)उपलब्धता का फायदा
- अपने ब्लॉक, तहसील, जिला में एडवांस सोलर का एक्सक्लूसिव डीलरशिप स्कीम का लाभ
- प्रतिमाह न्यूनतम 30 ग्राहक की सूची कंपनी द्वारा दिया जाएगा (जिनके द्वारा सोलर लगाने हेतु
- एडवांस सोलर कंपनी में ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन किया गया है)
- एडवांस सोलर द्वारा प्रदान की जाने वाली अतिरिक्त सब्सिडी का लाभ
- एडवांस सोलर कंपनी द्वारा चलायी जा रही सोलर क्रांति एवं हर घर सोलर अभियान का लाभ
- सम्पूर्ण छतीसगढ़ सहित संपूर्ण भारत में विज्ञापन का लाभ (न्यूज़ पेपर, टीवी, होर्डिंग, सोशल मीडिया, फ्लेक्स, पॉम्पलेट)
- सम्पूर्ण विज्ञापन सहित डीलर के ऑफिस, दुकान, शोरूम में डेकोरेशन सहित फ्रंट लाइट बोर्ड एवं डिस्प्ले की व्यवस्था
- कंपनी द्वारा डीलर के सपोर्ट के लिए 24x7 बैकअप टीम उपलब्ध
- उपभोक्ता हेतु सम्पूर्ण पेपर वर्क, बैंक फाइनेंस वर्क, सब्सिडी वर्क हेतु टीम कंपनी द्वारा प्रदान
- डीलर को सेल्स ट्रेनिंग, टेक्निकल ट्रेनिंग सहित डेली online / offline मीटिंग की सुविधा
- डीलर हेतु मासिक, क्वार्टरली एवं वार्षिक गिफ्ट स्कीम सहित प्रत्येक डीलर को प्रतिवर्ष एक विदेश FREE टूर
- एक क्षेत्र में केवल 1 डीलर की नियुक्ति, 5 वर्ष तक केवल डीलर के माध्यम से ही उस क्षेत्र में सोलर सिस्टम लगाया जाएगा।
- प्रत्येक डीलर को घरेलू के साथ कमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल सोलर सिस्टम लगाने की विकल्प उपलब्ध
- प्रत्येक डीलर को अपने कार्यक्षेत्र में 100 चैनल पार्टनर बन कर व्यापार बढ़ाने का विकल्प उपलब्ध जिसका चैनल पार्टनर सर्टिफिकेट एडवांस सोलर द्वारा दिया जावेगा।
- प्रतिवर्ष प्रत्येक डीलर को न्यूनतम 5 सोलर सिस्टम मुफ्त (शाशन के सब्सिडी दर पर सार्वजनिक क्षेत्र में जनसेवा हेतु जैसे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, सामाजिक संस्था कार्यालय, महिला समूह कार्यालय)

आज ही एडवांस सोलर के रायपुर कार्यालय विजिट करें एवं स्पॉट बुकिंग करके 5000 का अतिरिक्त डिस्काउंट एवं आकर्षक गिफ्ट घर ले जाए।

ऑफर केवल 29 से 31 मार्च 2026 हेतु...

50 किलोवाट से 50 मेगावाट तक कमर्शियल, इंडस्ट्रियल, हाउसिंग सोसाइटी हेतु फाइनेंस सुविधा न्यूनतम दर पर उपलब्ध
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें- **7970288888**

यदि आप पीएम सूर्यघर वेंडर है तो छतीसगढ़ के सबसे बड़े सोलर स्टॉक सेंटर से सभी कंपनी के पैनल, इन्वर्टर एवं सम्पूर्ण सोलर किट न्यूनतम मूल्य पर प्राप्त कर सकते है। कॉल /व्हाट्स एप्प- **9109969111**

India Largest Solar EPC Company

ADVANCE SOLAR

CG-MP-UP-DELHI-ORISSA-BIHAR- JHARKHAND-MAHARASTRA-RAJASTHAN

DOMESTIC-COMMERCIAL -INDUSTRIAL

www.advancesolar.in

solaradvance4@gmail.com

Terms and condition apply

City office (For Customer Visit)

ADVANCE SOLAR PVT. LTD., LAVISH LIFE BUILDING BESIDE MOWA BRIDGE, NEAR LODHIPARA CHOWK, RAIPUR, CHHATTISGARH
MO: 9109969101, 9109969162, 7970288888

Technical office

IIS CAMPUS KAVILAS NAGAR BHANPURI RAIPUR CG

अधिक जानकारी हेतु एडवांस कंपनी जिला अधिकारी से संपर्क करें एवं इंजीनियर विजिट हेतु आज ही रजिस्ट्रेशन करायें.

रायपुर- 9109969101, 9109969119, 9109969109, दुर्ग- 9109969125, भिलाई -9109969110, बालोद 9109969110, बेमेतरा 9109969107, कबीरधाम (कवर्धा) 9109969116, राजनांदगांव 9109969111, मुंगेली 9109969141, बिलासपुर- 9203403597, खैरागढ़ हुईखदान मंडई 9109969107, मोहला मानपुर-8839871093, उत्तर बस्तर-7970288888, कोरिया-8839871093, सरगुजा-9203403599, बलरामपुर-रामानुजगंज- 9926157982, सूरजपुर 9109969145, जशपुर 9109969113, कोरबा -9109969116, गोरेला पेंड्रा मरवाही-9109960113, जांजगीर-चापा-9109969110, सकती-9109522101, महासमुंद 9100969109, गरियाबंद-9109969125, बलोदाबाजार-भाटापारा 9109989119, धमतरी 9109969113, धमतरी- 9203403599, कांकेर- 9203403599 (उत्तर बस्तर) 9109909113, नारायणपुर-9109969113, कोडागांव-9109960119 (जगदलपुर)-0100969125, बीजापुर-9109969116, सुकमा-9109969107, दंतेवाडा (दक्षिण बस्तर) 9109069113, धरमजयगढ़-सारंगढ़-9109969125

स्थायी जॉब हेतु आवेदन

- एडवांस सोलर कंपनी संपूर्ण छत्तीसगढ़ में 700 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति कर रही है
- एडवांस सोलर कंपनी में सेल्स/मार्केटिंग/इंस्टालेशन जॉब हेतु आवेदन करे

9109969106
9109969114

Khanna Advt.

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹103903/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹126900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹138523/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 29 मार्च 2026

कांग्रेस कार्यकाल में उगाही : भावना

पंडरिया क्षेत्र में विकास कार्य और शक्कर कारखाने को लेकर किए गए सवाल का जवाब देते पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने अपने परिश्रम का 100 प्रतिशत दिया है। जिससे उन्हें संतुष्टि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में शुगर फैक्ट्री का लोन 17.5 प्रतिशत था। एक भी बार कांग्रेस कार्यकाल में पेमेंट नहीं हुआ। हमारी सरकार आई तो लोन का पेमेंट किया गया। उन्होंने कहा कि पंडरिया शक्कर कारखाना को कांग्रेस कार्यकाल में उगाही का केंद्र बना दिया गया था।

कवर्धा की जनता से मिली नक्सलवाद के खात्मे की ताकतः डिप्टी सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में कवर्धा के विधायक और राज्य में गृहमंत्री का दायित्व संभाल रहे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें नक्सलवाद के खात्मे के लिए ताकत कवर्धा की जनता से ही मिली है। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा, सांसद संतोष पांडे और पंडरिया की पूर्व विधायक ममता चंद्राकर से भी खुलकर संवाद हुआ। इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता, प्रबुद्धजनों और जिले के कलेक्टर-एसपी से भी विकास को लेकर सवाल-जवाब हुए।

खास खबर

कवर्धा का विकास प्राथमिकता

31 मार्च तक केंद्रीय गृहमंत्री के नक्सलवाद के खात्मे को लेकर दी गई डेडलाइन पर कार्य करने का दबाव प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा पर होने को लेकर डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने सवाल किया कि आपसे काफी उम्मीदें बंधी हैं। नक्सलवाद के खात्मे के लिए आप जुटे हुए हैं, ऐसे में कवर्धा के लिए ध्यान दे पाते हैं या नहीं ?

इस पर गृह एवं पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह कवर्धा क्षेत्र की जनता की ताकत ही है, जो हम बस्तर में काम कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब कवर्धा की बात आती है तो पार्टी और राजनीति से परे होकर हम केवल कवर्धा के लिए सोचते हैं। उन्होंने कहा कि कवर्धा के लिए महत्वपूर्ण यहां के जिला अस्पताल को 100 से 200 बिस्तर का किया गया। यहां मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हुआ। जिसका निर्माण कार्य अभी हो रहा है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि -आईएनएच के संवाद में स्थानीय विकास पर चर्चा

जनता ने भूपेश को हराकर वापस भेजा : संतोष पांडे

सांसद संतोष पांडे द्वारा पहला चुनाव एक लाख मतों से और दूसरा चुनाव लगभग 44 हजार मतों से जीतने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के समय अफवाह फैलाती थी। कहा जाता था कि संविधान खत्म हो जाएगा, जिसका कुछ नुकसान मुझे हुआ। उन्होंने कहा कि हममें भी कुछ कमियां रही होगी। जिसकी हम समीक्षा करेंगे। वहीं दूसरे कार्यकाल के चुनाव के दौरान पूर्व ▶▶| शेष पेज 5 पर

कांग्रेस कार्यकाल में हुआ बेहतर विकास : ममता

कांग्रेस कार्यकाल के 5 वर्ष और वर्तमान शासन के दो वर्ष के तुलनात्मक सवाल पर पंडरिया की पूर्व विधायक ममता चंद्राकर ने कहा कि सरकार में रहना ज्यादा अच्छा था। 5 साल के कार्यकाल में हमारी कांग्रेस सरकार ने बेहतर काम किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, कृषि सब पर काम हुआ। ▶▶| शेष पेज 5 पर

1993 में हुई थी पहली शहादत देवसिंह कुरमि, आखिरी शहीद हुए बीते साल खोटलू राम कुरमि

नक्सलियों का मजबूत गढ़...माड़ डिवीजन को खत्म करने में 149 जवानों ने दी कुर्बानी

जंगल से जटिल था नक्सलियों का अर्बन नेटवर्क 16 साल पहले भिलाई में हुआ था एनकाउंटर

जेएम तांडी ▶▶| भिलाई

नक्सलियों के खिलाफ फोर्स केवल जंगलों में ही नहीं जूझ रही थी। माओवादी विचारधारा के पोषक शहरों में भी थे। अर्बन नक्सलियों का नेटवर्क बेहद जटिल था। उसे तोड़ने में पुलिस को लंबा अर्सा लगा। 2010 में दुर्ग पुलिस ने नक्सलियों के शहरी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। जामुल और भिलाई शहर जब रात के अंधेरे में गहरी नींद में था। अचानक गोलियों की आवाज सुनकर लोग जागे। बोगदा पुलिया जामुल, घासीदास नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, एसीसी सीमेंट फैक्ट्री और कॉलोनी में मौजूद लोग गोलियों की तड़तड़ाहट सुन किसी अनहोनी की आशंका से सहम उठे।

भिलाई में झारखंड, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र आदि नक्सल प्रभावित राज्यों समेत भारत के सभी राज्यों के लोग निवास करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रदेश से यहां आए नये व्यक्ति के बारे में ▶▶| शेष पेज 5 पर

मिले थे जिंदा कारतूस व पिस्टल

पुलिस के मुताबिक मौके पर दो पिस्टल बरामद हुआ। एक 9 एमएम का व दूसरा 0.32 एमएम का पिस्टल। पुलिस की मानें तो 9 एमएम की पिस्टल से मृत नक्सली ने पुलिस पर फायर किया था। पुलिस ने दोनों पिस्टल के चैंबर व मेगजीन से एक-एक कारतूस बरामद किया। पंचनामा कार्रवाई के बाद थैले की तलाशी ली गई। मृतक नक्सली नागेश के थैले से 5 सौ का बंडल 49 हजार नगद, ▶▶| शेष पेज 5 पर

रक्त से सींचा है अमन का चमन... शहीदों को कोटि-कोटि नमन

राजेश दास ▶▶| नारायणपुर

बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले का माड़ इलाका नक्सलियों का सबसे मजबूत किला माना जाता था। दुर्दांत नक्सली यहां पनाह पाते थे। नक्सलियों के सबसे मजबूत किले माने जाने वाले नारायणपुर जिले को नक्सलमुक्त करना इतना आसान नहीं था। नक्सलियों के साम्राज्य को समाप्त करने में 35 वर्ष लग गए। कभी छत्तीसगढ़ की रक्तिम पहचान बना माओवादी व उनकी विचारधारा अब आखिरी सांस रही है। यह वक्त उन शहीदों को नमन करने का है जिन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया ताकि हम यह दिन देख सकें। राजनांदगांव के बाद दूसरी कहानी बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले की जो कुछ समय पहले तक नक्सलियों का सबसे महफूज व मजबूत इलाका माना जाता था। यहां नक्सल संगठन के माड़ डिवीजन की तूती बोलती थी। बाहरी लोगों को तो यहां आने की मनाही थी। यहां तक कि स्थानीय बाशिंदों को भी पूरी पड़ताल के बाद ही गांव में जाने के लिए एंट्री मिलती थी।

नक्सल खात्मे की डेडलाइन 3 दिन बाकी

नक्सलियों ने बकायदा यहां चेकपोस्ट बनाया था जहां स्थानीय ▶▶| शेष पेज 5 पर

नक्सलियों ने चेकपोस्ट बनाया था, बाहरी ही नहीं, स्थानीय लोगों की भी होती थी गहन जांच

26 वर्ष पहले एएसपी समेत 23 जवान हुए थे शहीद

जिले में एक बड़ी घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र में 20 फरवरी 2000 के सुबह 10:10 बजे हुई थी। ग्राम बाकुलवाही नाला के पास चढ़ाव कोचवाही रोड में हुए बारूदी सुंरग विस्फोट में एडिशनल एसपी समेत 23 जवान शहीद हो गए थे। ग्राम जम्हरी में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर एएसपी भास्कर दिवान अपने फोर्स को आवश्यक ब्रिफिंग कर 407 वाहन में सवार होकर सूचना की तस्दीक के लिए रवाना हुये थे। ग्राम कोचवाही नाला के पास पंहुचे थे कि 25-30 नक्सलियों द्वारा ग्राम कोचवाही नाला के पास बारूदी सुरंग विस्फोट किया गया जिससे 407 वाहन में सवार एएसपी भास्कर दिवान और 23 जवान शहीद हो गये।

केन्द्रीय अर्धसैनिक के शहीदों में ये शामिल

नारायणपुर जिले में तैनात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, मिजो व नागा बटालियन के शहीद जवानों में सीआरपीएफ 140 वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक विजनपाल, आरक्षक धर्मेन्द्र सिह, जयप्रकाश, व्ही मैथ्यू, सहायक सेनानी सीआरपीएफ विकास चन्द्रा, प्रधान आरक्षक जगन्नाथ चेटिया, दिनेश पाण्डे, प्रशात कुमार विश्वाल, सब इंसपेक्टर रोशन मिंज, मुस्ताक अहमद, बीजू कुमार एस, जय कुमार एस, एसआई आरएस कांग, के तिम्मना, रमेश चन्द्रपात्र, नरपत सिंह बोगा, पातंनु कुमार ढाल, वीरयल मंहता, जतिन गुलांटी, एमपी सिंह, विद्याधर बारीक, आरएन दास, सजि कुमार एस, रंजन ▶▶| शेष पेज 5 पर

शहीद सीएफ, डीएसएफ, बस्तर फाईटर, सहायक आरक्षक, गोपनीय सैनिक व नगर सैनिक

राज्य पुलिस बल में सबसे बड़े पुलिस अधिकारियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भास्कर दीवान के अलावा आरक्षक देवसिंह कोर्राम, एसआई बीएस नेताम, एएसआई सुरेन्द्र ठाकुर, प्रधान आरक्षक बनसिंह मरकाम, मनाजरूलहक, पुरनसिंह यादव, लखुराम कोर्राम, दशरथराम नेताम, जार्ज कुजूर, प्यारेलाल सोम, कन्हैया लाल कुंजाम, दिलीप कुमार कोसरे, हेमंत कुमार नागवंशी, मुन्ना सिंह,, रतन सिंह, मिलउराम तेता, संतोष बघेल, मोतीराम बघेल, दिनेश दयाल, फखरुद्दीन, सोमारू उर्फ मुरा, लख्खू, रामचंद्र, दुक्का राम, खिलावन बिसेन, सुखदेव, रामसिंह उर्फ गागरा, योगेश मरकाम, जयसिंह ठाकुर, शिवलोचन साहू, विश्वेश्वर चक्रवर्ती, मुरलीधर सिन्हा, चंदर सिंह मरावी, शिवनारायण, ▶▶| शेष पेज 5 पर

थोक में खुलीं सट्टा साइट्स, बिलासपुर में सट्टेबाजी की रिकार्डिंग हरिभूमि के पास

बैन के बाद भी सट्टा बेलगाम, टीम 'हरिभूमि' ने बनाई आईडी, दर्जनों वेबसाइट्स एक्टिव

रायपुर से ललित राठोड़, बिलासपुर से विकास चौबे

भारत में ऑनलाइन सट्टा ऐप्स और वेबसाइट्स पर रोक लगाने के बाद भी इंटरनेट पर इनका कारोबार अब भी बेलगाम है। सुप्रीम कोर्ट की रोक और सरकार द्वारा 7000 से अधिक वेबसाइट्स को ब्लॉक किए जाने के बावजूद, आईपीएल शुरू होते ही इंटरनेट पर ऑनलाइन सट्टा खेलने के लिए कई नई वेबसाइट्स बन चुकी हैं। इनमें बड़ी आसानी से लॉगिन करने के बाद मैच की हर बॉल पर दांव लगाया जा रहा है। कुछ वेबसाइट्स ऐसी भी हैं जिन्हें पहले ब्लॉक कर दिया गया था, लेकिन अब वे पुराने नामों से मिलते-जुलते ▶▶| शेष पेज 5 पर

हरिभूमि लाइव

4rabet120.com, baterybets, 1webhr और luckkudo.life जैसी दर्जनों वेबसाइट्स

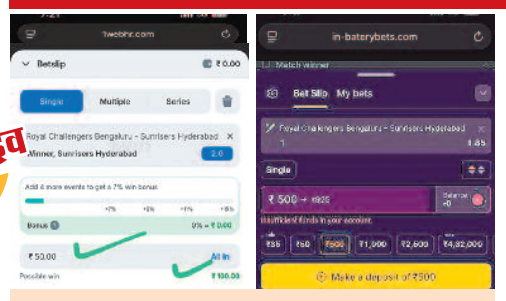

अन्ना रेड्डी अभी भी एक्टिवः क्यूआर कोड देकर मांग रहे पैसे, फिर दे रहे आईडीः सट्टा खेलने के लिए अन्ना रेड्डी नाम की वेबसाइट लोगों के बीच काफी चर्चित है। इसमें लॉगिन करने के लिए आईडी की आवश्यकता होती है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

सट्टे की भाषा

- बुकी डिब्बा
- एजेंट पंटर
- क्लाइंट लाइन
- एक लाख एक पैसा
- सवा लाख सवा पैसा

बिलासपुर में चकरभाठा सट्टे का बड़ा बाजारः बिलासपुर में चकरभाठा सट्टे का सबसे बड़ा बाजार है तो सरकंडा क्षेत्र धीरे-धीरे इसका गढ़ बनता जा रहा है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

शहर के प्रमुख खाइवाल ने बताया

- **हरिभूमि-** आईपीएल में सट्टा कैसे लगाया जाता है, क्या करना होगा
- **खाइवाल-** आईपीएल का सट्टा लाइन पर चलता है। लाइन का नंबर छोटे शहरों में बैठे बुकी के पास होता है। बुकी ही लोगों को सट्टा खिलवाते हैं। मैच शुरू होने के साथ भाव तय होता है। मजबूत और कमजोर टीम के हिसाब से लाइन पर भाव आते हैं। इस भाव के आधार पर ही युवा बुकी के जरिए सट्टे पर रुपए लगाते हैं। इसके अलावा प्रति ओवर, प्रति बाल के हिसाब से भी लोग सट्टा लगाते हैं। सट्टा लगाने वाले व्यक्ति को लाइन कहा जाता है, जो एजेंट यानी पंटर के माध्यम से बुकी (डिब्बे) तक संपर्क करता है। एजेंट को एडवांस देकर अकाउंट खुलवाना पड़ता है, जिसकी एक लिमिट होती है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

आईपीएल का आगाज, पडिक्कल, कोहली और डफी ने आरसीबी को दिलाई जीत

बेंगलुरु। देवदत्त पडिक्कल के 26 गेंद में 61 रन और विराट कोहली के नाबाद अर्धशतक की मदद से गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2026 सत्र की शुरुआत शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद पर छह विकेट से जीत के साथ की। पडिक्कल और कोहली (38 गेंद में नाबाद 69) के बीच दूसरे विकेट के लिये सिर्फ 45 गेंद में 101 रन की साझेदारी की मदद से आरसीबी ने जीत के लिए 202 रन के लक्ष्य के जवाब में 15.4 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाए।

मौन रहकर दी श्रद्धांजलि

सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच आईपीएल 2026 के मैच से ठीक पहले बेंगलुरु भगदड़ में जान गंवाने वाले क्रिकेट प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी गई। टॉस के बाद जब दोनों टीमें खेलने के लिए मैदान पर उतर रही थीं तो स्टेडियम में मौजूद सभी दर्शक, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अधिकारी और दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मौन रहकर श्रद्धांजलि दी।

ममता सरकार के खिलाफ शाह ने जारी की चार्जशीट कहा-'कभी पैर तुड़वा लेती हैं कभी गालियां देती हैं'

पश्चिम बंगाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से कोलकाता पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को ममता बनर्जी को निशाने पर लिया। शाह ने तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार के शासन के खिलाफ चार्जशीट जारी करते हुए ममता बनर्जी पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा ममता दीदी ने हमेशा विक्टिम कार्ड वाली पॉलिटिक्स खेली है। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं, और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं और चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं।

बंगाल पहुंचे गृहमंत्री ने जमकर लगाए आरोप

बंगाल चुनाव से जुड़ी पूरे देश की सुरक्षा

शाह ने कहा कि चुनाव पूरे देश की सुरक्षा बंगाल चुनाव के साथ एक प्रकार से जुड़ी हुई है। भाजपा ने तय किया है कि टीएमसी के शासन के खिलाफ जनता के जो मुद्दे हैं इसको आवाज देना और बंगाल के चुनाव में ये जो पूरी अराजकता टीएमसी के शासन में फैली है इसका हम क्या हल लेकर आएंगे इसका हम जवाब भी लेकर आएंगे।

कब्रिस्तान बन गया है बंगाल

शाह ने बीजेपी की तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जारी की गई चार्जशीट पर बोलते हुए खूब निशाने साधे। उन्होंने कहा कि यह चार्जशीट, टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं। विकास के अभाव में बंगाल उद्योग के लिए एक प्रकार से कब्रिस्तान बन चुका है।

टीएमसी का पलटवार 'मोटा भाई-जवाब चाई'

इधर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भी पलटवार करते हुए भाजपा के खिलाफ 'चार्जशीट' जारी की है। तृणमूल कांग्रेस ने न केवल भाजपा-शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि मणिपुर में जातीय हिंसा और बंगाल में डिटेंशन कैंप मॉडल लागू करने की भाजपा की कथित मंशा पर भी तीखा हमला बोला। टीएमसी के इस आरोप-पत्र का नाम 'मोटा भाई-जवाब चाई' रखा है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने मणिपुर में हुई जातीय हिंसा पर अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि यह पूर्वोत्तर राज्य पिछले तीन वर्षों से 'खून से लथपथ' है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा बंगाली और बांग्लादेशियों के बीच की लकीर को धुंधला करना चाहती है, ताकि वह असम की तर्ज पर बनाए गए अपने नफरत भरे डिटेंशन कैंप मॉडल को बंगाल में भी लागू कर सके।

164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी डीएमके कांग्रेस के खाते में आई 28 सीट

तमिलनाडु

एजेंसी ▶▶| तमिलनाडु

तमिलनाडु की सियासत में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी बड़ी चाल चल दी है। शनिवार को एक अहम घोषणा करते हुए स्टालिन ने साफ कर दिया कि उनकी पार्टी डीएमके इस बार 164 सीटों पर खुद चुनाव लड़ने जा रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि मुख्यमंत्री खुद अपनी पुरानी और भरोसेमंद सीट कोलाथुर से ही मैदान में उतरेंगे। उन्होंने अपनी टीम और गठबंधन का जो फॉर्मूला पेश किया है, उसे उन्होंने खुद 'महा-महा गठबंधन' का नाम दिया है। इस बड़े गठबंधन में कांग्रेस को 28 सीटें मिली हैं, जबकि प्रेमलता विजयकांत की पार्टी डीएमडीके के खाते में 10 सीटें गई हैं। गठबंधन के अन्य साथियों की बात करें तो वीसीके को 8, लेफ्ट (सीपीआई और सीपीआईएम) को 5-5 और एडीएमके को 4 सीटें दी गई हैं। इसके अलावा आईयूएमएल, एमएमके और एसडीपीआई जैसे छोटे दलों को भी इस 'महा-महा गठबंधन' में जगह दी गई है।

इस सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगे स्टालिन

तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल को होगा मतदान

डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और 60 नए चेहरों पर दांव

डीएमके की लिस्ट में 29 वकील, 17 इंजीनियर, 15 डॉक्टर और 7 पीएचडी होल्डर्स शामिल हैं। इतना ही नहीं, करीब 60 चेहरे ऐसे हैं जिन्हें पहली बार चुनाव लड़ने का मौका मिल रहा है। यानी स्टालिन एक नई और पढ़ी-लिखी फौज के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। मुख्यमंत्री खुद 30 मार्च से अपना धुआंधार प्रचार शुरू करने जा रहे हैं, वहीं उनके बेटे और डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन 31 मार्च से मोर्चा संभालेंगे।

केरल

एक नाम के कई उम्मीदवार, केरल में जमकर हो रहा है कन्फ्यूजन

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल, 2026 को होने वाला है। इस चुनाव के लिए जैसे-जैसे प्रचार तेज हो रहे हैं, वैसे-वैसे कई बड़े उम्मीदवारों को एक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। केरल के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में एक जैसे या मिलते-जुलते नामों वाले निर्दलीय उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर आए हैं। यहां की राजनीतिक शब्दावली में ऐसे उम्मीदवारों को 'अपरनमार' या 'नाम के जुड़वां' कहा जाता है। प्रमुख राजनीतिक दलों का कहना है कि ये उम्मीदवार मतदाताओं को भ्रमित कर सकते हैं और कड़े मुकाबले वाले सीटों के नतीजों पर असर डाल सकते हैं।

एक ही सीट पर एक ही नाम के 2 उम्मीदवार : बेपोर से पीए मोहम्मद रियास चुनाव लड़ रहे हैं और उनके सामने मोहम्मद रियास पीसी और मोहम्मद रियास टीटी नाम के दो निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में उतरे हैं। कलामसेरी में पी. राजीव का मुकाबला राजीव नाम के एक दूसरे उम्मीदवार से है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी इस चुनावी चलन से पीछा नहीं छुड़ा पा रहे हैं। हरिपाद में रमेश चेन्नितला का मुकाबला रमेश सी. नाम के एक निर्दलीय उम्मीदवार से हो रहा है।

मुख्यमंत्री की हमनाम से टक्कर

धर्मदम विधानसभा क्षेत्र से केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं, पास के चेडीचेरी से विजयन एएम नाम के एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी अपना नामांकन दाखिल किया है। ईवीएम पर दो विजयन के नाम आने से मतदाताओं में कन्फ्यूजन होने की संभावना जताई जा रही है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री की पार्टी सीपीएम के कार्यकर्ताओं ने अपने सभी चुनावी रैलियों में पार्टी के चुनाव चिह्न को प्रमुखता से दिखाने के प्रयास को तेज कर दिया है। ही कई मंत्रियों को भी ऐसी ही स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

वट्टियूरकावु का हाल

वट्टियूरकावु में कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन भी पी. मुरलीधरन नाम के एक दूसरे उम्मीदवार के साथ चुनावी मैदान में हैं। मौजूदा विधायक वी.के. प्रशांत का सामना प्रशांत के से है। भाजपा भी इस चलन से अछूती नहीं रही है। एनडीए के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखर नेमोम से चुनाव लड़ रहे हैं और यहां भी जी.एस. राजीव कुमार नाम के एक निर्दलीय उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को भी मंजेश्वरम में ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, मंजेश्वरम का ये मुकाबला राजनीतिक यादें ताजा कर रहा है। साल 2016 में सुरेंद्रन ये विधानसभा सीट महज 89 वोटों से हार गए थे। तब भाजपा के नेताओं ने एक जैसे नाम वाले उम्मीदवारों की मौजूदगी को हार का एक संभावित वजह बताया था।

राहुल ने कहा- यूडीएफ एकजुट, कांग्रेस आलाकमान से मिले नाराज सुधाकरन

एजेंसी ▶▶| नयी दिल्ली

कांग्रेस आलाकमान ने केरल के कन्नूर से लोकसभा सदस्य के. सुधाकरन की नाराजगी की खबरों के बीच शनिवार को उनसे मुलाकात की और कहा कि राज्य में पूरा संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) एकजुट है तथा इस विधानसभा चुनाव में 100 सीट जीतने की ओर अग्रसर है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सुधाकरन से मुलाकात के दौरान सांसद का परिवार तथा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। राहुल गांधी ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा , 'हम केरलम में 100 सीटों के साथ भारी जीत की ओर बढ़ रहे हैं।'

सूत्रों के अनुसार , सुधाकरन विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव नहीं लड़ाने का फैसला किया जिसके बाद वह नाराज हो गए थे। पार्टी सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात और बातचीत से उनसे जुड़े मुद्दों का समाधान कर लिया गया है। केरल में सभी 140 विधानसभा सीट के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना चार मई को होगी।

असम

विरासत बनाम बदलाव की लड़ाई बनी मरियानी

असम की मरियानी विधानसभा सीट एक बार फिर राज्य की सबसे चर्चित और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीटों में शामिल हो गई है। इस बार के विधानसभा चुनाव में विरासत बनाम बदलाव की दिलचस्प सियासी खींचतान देखने को मिल रही है। यहां दशकों से स्थापित राजनीतिक पकड़ को एक नई चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर तीन दशकों से कुर्मी परिवार का प्रभाव बना हुआ है। इसकी शुरुआत साल 1991 में हुई थी, जब रूपम कुर्मी ने पहली बार जीत हासिल की और 2004 तक राजनीतिक रूप से इस इलाके प्रतिनिधित्व किया। बाद में उनके बेटे रूपज्योती कुर्मी ने 2006 से इस सीट पर जीत हासिल की। वह 2006, 2011 और 2016 और 2021 में बतौर कांग्रेस उम्मीदवार मैदान में उतरे। जून 2021 में उन्होंने कांग्रेस का दामन छोड़ दिया और बीजेपी में शामिल हो गए। इसके बाद अक्टूबर 2021 में हुए उपचुनाव में जीत हासिल कर अपना जनाधार साबित किया।

नए चेहरे की एंट्री से बदला समीकरण

इस बार चुनाव में एक नया मोड़ आया है। कांग्रेस और राइजोर दल के गठबंधन ने डॉ. ज्ञानश्री बोरा को संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2026 का यह चुनाव केवल एक सामान्य मुकाबला नहीं, बल्कि मरियानी की राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ है। यह विरासत, अनुभव और निरंतरता (रूपज्योति कुर्मी) बनाम बदलाव, नई सोच और मुद्दा-आधारित राजनीति (डॉ. ज्ञानश्री बोरा) के बीच मुकाबला है। यह चुनाव तय करेगा कि मतदाता पुराने और स्थापित नेतृत्व पर भरोसा बनाए रखते हैं या नई दिशा की ओर कदम बढ़ाते हैं।

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुंड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज, अफरा, अपचन
में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
एक बार उपयोग कर देखें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

मुस्लिम स्टूडेंट को कहा आतंकी यूनिवर्सिटी ने किया सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरू

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पीईएस यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर पर क्लास के दौरान एक मुस्लिम छात्र को 'आतंकवादी' कहने का आरोप लगा है, जिसके बाद यूनिवर्सिटी ने तुरंत एक्शन लेते हुए प्रोफेसर को सस्पेंड कर दिया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी प्रोफेसर मुरलीधर देशपांडे ने 24 मार्च को क्लास के दौरान एक छात्र पर आपत्तिजनक और सांप्रदायिक टिप्पणी की। बताया जा रहा है कि छात्र ने क्लास से बाहर जाने की इजाजत मांगी थी, जिस पर प्रोफेसर भड़क गए और उसे 'आतंकी' कहकर अपमानित किया। कक्षा में मौजूद बाकी छात्रों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में प्रोफेसर को छात्र पर चिल्लाते और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए देखा जा सकता है।

बेंगलुरू से आया चौंकाने वाला मामला सामने

मामले की जांच जारी

पीईएस विश्वविद्यालय के चांसलर जवाहर दोरेस्वामी ने कहा कि संस्थान ने वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि करने और घटना से जुड़े हालातों की जांच की जा रही है। घटना की जांच के लिए एक इंटरनल कमेटी बनाई गई है। जांच पूरी होने तक प्रोफेसर को सस्पेंड कर दिया गया है। फिलहाल, विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रोफेसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हादसा, 4 साल के मासूम की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत

एजेंसी ▶▶| इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां शनिवार को एक खड़ी कार में अचानक भीषण आग लग गई, जिसमें बुरी तरह झुलसकर करीब 4 साल के एक मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। यह खौफनाक हादसा सिमरोल थाना क्षेत्र के खंडवा रोड स्थित बाबरीवाल ढाबे के पास हुआ।घटना शनिवार सुबह करीब 11 बजे की है। धीरज चौहान नाम के व्यक्ति की डीजे सुधारने के लिए मैकेनिक संजय भायडिया को मौके पर बुलाया था। संजय अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से वहां पहुंचे और उनके साथ उनका मासूम बेटा चिराग भी था। संजय ने अपनी कार को डीजे वाहन से कुछ दूरी पर चालू हालत में ही छोड़ दिया, ताकि बच्चा अंदर आराम से बैठ सके। बाद में कार में आग लगने पर कार के कांच तोड़कर बच्चे को बाहर निकाला गया। बुरी तरह झुलस चुके बच्चे को तत्काल महू अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

इंदौर में खड़ी कार में लगी भीषण आग

शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

मासूम चिराग कार के अंदर ही खेल रहा था, तभी अचानक कार में भीषण आग लग गई। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आग लगने की मुख्य वजह 'शॉर्ट सर्किट' मानी जा रही है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और चंद मिनटों में ही पूरी कार धू-धू कर जलने लगी थी।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार | लिवर व किडनी रोग
पाईल्स (बवासीर) का ऑपरेशन | थाइरॉयड सर्जरी
हार्ड ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) | ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफैशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नर्सों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email-bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स
क्षारकर्मा (लेप विधि) विशेषज्ञ
(ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
VASCULAR
डॉ. प्रशांत पोटे
MD DNB FVIR
Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर, रविवार 29 मार्च 2026 | चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी | वर्ष : 24, अंक : 247 | पृष्ठ : 12+6+4 =22, मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अब सिर्फ 3 दिन ही बचे महीना खत्म होने में, लगभग 23 लाख हितग्राहियों को अब तक नहीं मिला खाद्यान्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और मैनपुर

अपडेट के बाद ई-पॉस मशीनों में स्टॉक हुआ शून्य 8वें दिन कुछ राशन बंटा, कुछ लौटे खाली हाथ

खास खबर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों में आठ दिनों से हितग्राहियों को खाद्यान्न ही नहीं मिल पा रहा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग का साफ्टवेयर अपडेट करने की वजह से 21 से 25 मार्च तक उचित मूल्य की दुकानें बंद रहीं, वहीं साफ्टवेयर अपडेट होने के बाद जब दुकानें खुलीं, तो जिस ई-पॉस मशीनों के माध्यम से स्टॉक की प्राप्ति और हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण किया जाता है, उन मशीनों में स्टॉक जीरो हो गया। ⏭शेष पेज 5 पर

साफ्टवेयर बना सिरदर्द

मार्च क्लोजिंग महीना होने के बावजूद साफ्टवेयर को अपडेट करने के लिए 21 से 25 मार्च की तारीख तय करने का निर्णय गलत साबित हुआ है। दुकानदारों के अनुसार हर महीने के शुरुआती 4 दिनों तक वैसे ही उचित मूल्य की दुकानों में सर्वर की समस्या के कारण वितरण नहीं हो पाता। इसके बावजूद इन दिनों में साफ्टवेयर अपडेट नहीं किया गया। इसी प्रकार साफ्टवेयर अपडेट के दौरान ई-पॉस मशीनों से स्टॉक गायब हो गया।

दुर्ग जिले की 656 राशन दुकानों में दिक्कतें

दुर्ग जिले के 656 पीडीएस दुकानों में ई पॉस सिस्टम तकलीफ दे रहा है। 21 से 25 मार्च तक राशन दुकानें ई पॉश मशीन को अपडेशन करने के लिए बंद की गई थी। 26 मार्च से जब राशन वितरण चालू हुआ तो सर्वर की समस्या बताने लगे। स्थिति यह है कि एक हितग्राही को खाद्यान लेने के लिए आधा घंटे लग रहा है। उन्होने बताया कि दो बार ई पॉस मशीन में अंगूठा लगाना पड़ रहा है। एक बार अंगूठा लगाया उसके ⏭शेष पेज 5 पर

बिलासपुरः राशन दुकानों में सुबह से लंबी कतार

सरकारी राशन दुकानों में रोजाना सुबह से लेकर दोपहर तक भीड़ जुट रही है , क्योंकि स्लो सर्वर ने परेशानी बढ़ा दी है। पहले तो साफ्टवेयर अपडेट करने के कारण पांच दिनों तक राशन दुकानों को बंद रखा गया और जब अब दुकान तो खुला लेकिन अधिकतर उपभोक्ताओं को राशन नहीं मिला। दुकानदारों ने सर्वर डाउन होना बताकर लोगों को चलता कर दिया।

ध्यान रहे कि 21 से 26 मार्च के बीच आधार इनेबल्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम का सॉफ्टवेयर आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपडेट किया गया। मुख्य सर्वर से ई-केवाईसी डेटा को जोड़ने के ⏭शेष पेज 5 पर

मैनपुर

65 फीसदी को नहीं मिला राशन

गरियाबंद जिले में 367 राशन दुकान में 2 लाख 18 हजार राशन कार्डधारी हैं। इनमें से करीब 65 फीसदी कार्डधारियों को इस महीने अनाज नहीं मिला है जबकि महीना खत्म होने को है। चार-पांच दिन से लोग आ रहे हैं और खाली हाथ लौट रहे हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आगामी वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से शुरू होने के मद्देनजर पूरे राज्य का स्टॉक अपडेट किया जा रहा है। सॉफ्टवेयर अपडेट किया जा रहा है, ⏭शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत का निधन

नई दिल्ली। रेमंड के पूर्व चेयरमैन, पद्म भूषण से सम्मानित और जाने-माने एविएटर विजयपत सिंघानिया का निधन हो गया है। उनका निधन मुंबई में 87 वर्ष की आयु में हुआ। बेटे गौतम सिंघानिया ने जानकारी दी। पद्म भूषण से सम्मानित विजयपत न केवल रेमंड में अपने नेतृत्व के लिए जाने जाते थे, बल्कि एविएशन के प्रति अपने जुनून के लिए भी मशहूर थे। हॉट एयर बैलून में सबसे ज्यादा ऊंचाई तक पहुंचने का विश्व रिकॉर्ड भी उनके नाम था।

ईरान जंग के बीच बड़ा खेल, बढ़ी टेंशन, चीन-तुर्की को तगड़ा झटका!

ऊर्जा संकट के बीच बुरी खबर रूस चार महीने नहीं बेचेगा तेल

अमेरिका-इजरायल की ईरान से जंग के बीच रूस ने बड़ा झटका दिया है। रूसी सरकार घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों को स्थिर रखने के लिए 1 अप्रैल से गैसोलीन के निर्यात प्रतिबंध लगाएगी। रूस का यह फैसला कुछ देशों के लिए एनर्जी मार्केट में और संकट पैदा कर सकता है, जो रूस से डायरेक्ट गैसोलीन का आयात करते हैं। इसमें चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देश शामिल हैं। इधर, भारत के लिए राहत की एक और खबर आई, जब दो तेल टैंकर होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि संकट के कारण ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव आ रहा है, लेकिन विदेशों में रूसी ऊर्जा की मांग मजबूत बनी हुई है। यह घोषणा नोवाक की अध्यक्षता में घरेलू पेट्रोलियम उत्पाद बाजार की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक के बाद की गई। बैठक के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घरेलू ईंधन की कीमतों को अधिक बढ़ने से रोकने पर जोर दिया गया। ऊर्जा मंत्रालय ने ⏭शेष पेज 5 पर

1 अप्रैल से रूस ने पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

भारतीय जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट को किया पार

भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। दो एलपीजी टैंकर, बीडब्ल्यू ईएलएम और बीडब्ल्यू टीवाइआर, ईरान जंग के बीच खतरनाक बनी होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गए हैं। दोनों जहाज साए की तरह साथ-साथ चलते हुए करीब 27 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गल्फ ऑफ ओमान की ओर बढ़ रहे हैं।

जंग पर चर्चा करेंगे तीन देशों के विदेश मंत्री

ईरान-अमेरिका के बीच मध्यस्थता को लेकर पाकिस्तान में 29-30 मार्च को बैठक होगी। पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र के विदेश मंत्री शामिल होंगे। बैठक के दौरान ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध की वजह से पैदा हुए तनाव को कम करने और अन्य कई क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

पीएम मोदी ने सऊदी के क्राउन प्रिंस से की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में एक महीने से चल रहे संघर्ष की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की।

इजरायल के 50 फाइटर जेट ने बरसाए बम

मिडिल-ईस्ट में तनाव अब और भी ज्यादा बढ़ गया है। यूएस-ईरान वॉर अब विध्वंसक रूप लेता दिख रहा है। इजरायल ने ईरान के अंदर घुसकर 50 फाइटर जेट्स से ताबड़तोड़ बम बरसाए। बताया जा रहा है, ये हमला इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों, हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों को निशाना बनाया। इस हमले में कितने लोग मारे गए हैं। इजरायली सेना के एक अधिकारी ने बताया कि ये हमला कई घंटों तक चला।

हूती विद्रोही भी ईरान युद्ध में कूदे

इजरायल के साथ कई मोर्चों पर लड़ रहा है। एक तरफ उसका जंग ईरान के साथ है तो वहीं वह हिजबुल्लाह को भी निशाना बना रहा है। लेकिन इस बीच एक और बड़ी खबर सामने आई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी अब इस जंग में सीधे तौर पर एंट्री मार दी है। उसने इजराइल के दक्षिणी शहर बेर्शेबा और आसपास के इलाकों सैकड़ों बम बरसाए हैं।

सीएम साय की दो टूक, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी पर लें एक्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री निवास में सीएम विष्णुदेव साय ने अधिकारियों के साथ हाईलेवल मीटिंग की। उन्होंने अफसरों से कहा, गैस सिलेंडर सहित आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सभी पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों के भंडारण एवं आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा, हर परिस्थिति में ⏭शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री ने ली हाईलेवल समीक्षा बैठक

ऑनलाइन बुकिंग सामान्य रूप से जारी

बैठक में एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति नियमित रूप से जारी है। गैस सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग सामान्य रूप से संचालित है। उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 45 दिन तथा सामान्य गैस कनेक्शन के लिए 25 दिन की समय सीमा निर्धारित है और वर्तमान में उसी अंतराल के अनुसार बुकिंग की जा रही है। पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन में भी किसी प्रकार की बाधा नहीं है और पूरे प्रदेश में स्थिति सामान्य है।

हर जिले में बनाया जाए कंट्रोल रूम

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया संकट पर सभी राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा की गई है और यह आश्वस्त किया गया है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है तथा उच्च स्तरीय समिति द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में भी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा प्रभारी सचिव और कलेक्टर नियमित समीक्षा करें। अफवाहों और भ्रामक खबरों से बचने आमजन तक तथ्यात्मक जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

मप्र, छग और राजस्थान के विधायक रहेंगे

भोपाल में होगा तीन राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिनी सम्मेलन 30 और 31 मार्च को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित होने जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मप्र के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक शामिल होंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 30 मार्च ⏭शेष पेज 5 पर

'जेन जेड' के विरोध-प्रदर्शनों पर कार्रवाई

एक्शन में बालेन, नेपाल के पूर्व पीएम ओली गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ काठमांडू

नेपाल में पिछले साल सितंबर में हुए 'जेन जेड' विरोध-प्रदर्शनों की जांच करने वाले उच्चस्तरीय आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने के नवगठित सरकार के फैसले के एक दिन बाद शनिवार ⏭शेष पेज 5 पर

क्या है आरोप

पूर्व पीएम ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक को पिछले साल आठ और नौ सितंबर को हुए 'जेन जेड' आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस आंदोलन में 76 लोग मारे गए थे। आंदोलन से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने ओली और लेखक सहित अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है।

वीडियो हुआ वायरल, निरीक्षण करने पहुंचे अधीक्षक

जेल वार्ड में कैदी को घर का खाना, मोबाइल फोन!

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में गंभीर बीमारी बताकर भर्ती किए गए कैदी को विशेष सुविधाएं प्रदान किए जाने का मामला सामने आया है। कैदी को अस्पताल में घर जैसी सुविधाएं दी जा रही थी। परिजन मोबाइल फोन लेकर जेल वार्ड में प्रवेश कर रहे थे। जेल वार्ड का ताला खुला रहता है। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं भी कैदी को उपलब्ध ⏭शेष पेज 5 पर

चल रही है जांच

शिकायत पर अस्पताल के जेल वार्ड का निरीक्षण किया गया है। जेल वार्ड में अन्दर बाहर दो ताले हैं। बाहर का ताला खुला हुआ था, इसलिए दो प्रहरियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। कैदी को डॉक्टर के पर्ची के आधार पर एक अटेंडर की अनुमति दी गई थी। इस मामले की जांच चल रही है।
-अक्षय सिंह राजपूत, जेल अधीक्षक

अमेरिका-इज़राइल वर्सेस ईरान युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। फिलहाल देश में पेट्रोल -डीजल का तो कोई तत्काल संकट नहीं है, किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है। साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उधर, भारत के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के तहत इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। क्या भारत इस संकट की स्थिति से उबर पाएगा, इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

ऊर्जा संकट की असली चुनौती अभी बाकी

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

ईरान के विरुद्ध इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को प्रारंभ किया गया संयुक्त आक्रमणकारी युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। यदि यह विनाशकारी युद्ध भविष्य में भी इसी गति से चलता रहा तो फिर पहले से आच्छादित हो चुका वैश्विक ऊर्जा संकट अत्यंत विकट और विकराल स्थिति में पहुंच जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 5 दिनों के लिए और फिर 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। साथ ही यह चेतावनी भी जारी की है कि यदि ईरान द्वारा भविष्य में खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर ईरान द्वारा आक्रमण किया जाता है तो फिर अमेरिका ईरान के गैस और तेल निर्माण के ठिकानों पर भयंकर आक्रमण अंजाम देगा और उसके तमाम ऊर्जा उपक्रमों को नष्ट कर देगा। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया है कि ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता निरंतर जारी है।

अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

भारत पर भी पड़ रहा प्रभाव

युद्ध के कारणवश उत्पन्न हुई वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते हुए भारत पर भी इसका जबरदस्त प्रभाव स्थापित हो गया है। फिलहाल भारत में पेट्रोल और डीजल का तो कोई तत्काल संकट उपस्थित नहीं हुआ है। भारत सरकार के अनुसार अभी दो महीनों का पेट्रोल और डीजल स्ट्रैटेजिक रिजर्व के तौर पर भारत के पास विद्यमान है। किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के मध्य एक शुभ समाचार आया कि अमेरिका ने ईरान के क्रूड ऑयल निर्यात पर आयद की गई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी को अस्थाई तौर पर स्थूल कर देने का ऐलान किया है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार में फरमाया है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा फिलहाल समुद्र में खड़े हुए ईरान के तेल जहाज पर आयद पाबंदी में अस्थायी तौर पर ढील प्रदान करने का फैसला लिया है। से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई प्रारंभ हो सकती है।

तेल के निर्यात पर पाबंदी हटी

इस युद्ध के कारण शिपिंग और क्रूड ऑयल निर्यात में उत्पन्न हुई गंभीर रुकावट की क्षतिपूर्ति भी हो सकती है। अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। स्कॉट बेसेंट के अनुसार समुद्र में फिलहाल अभी 17 करोड़ बैरल तेल के कार्गो विद्यमान हैं। भले ही ईरानी क्रूड ऑयल की अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए 10 से 15 दिनों तक छूट क्यों ना प्रदान की जा सकती है। अमेरिकन खरीदारों तक इसके पहुंच की मंजूरी प्रदान करने से क्रूड ऑयल सप्लाई की दिक्कतें कम होने और कीमतों को नियंत्रित करने में निश्चित तौर पर निर्णायक मदद मिल सकती।

चीन सबसे बड़ा खरीदार

इस कदम से ईरान का जो तेल चीन में जा रहा है, वो क्रूड ऑयल दूसरे एशियाई देशों की तरफ भी अपना रुख मोड़ सकता है। इससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान, मलेशिया, फिलिपींस आदि दक्षिण एशिया के देशों के लिए क्रूड ऑयल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी तक ईरानी क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। फिलहाल तो भारत की रिफाइनरियों ने समुद्र में विद्यमान कार्गो जहाजों पर लदे हुए लाखों बैरल रूसी क्रूड ऑयल को ही खरीदा है। खाड़ी देशों से आयातित होने वाले क्रूड ऑयल का अधिकांश हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। फिलहाल युद्ध के जारी रहते हुए होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो जहाजों की आवाजाही अत्यंत बाधित हो चुकी है। 2018 में ईरान पर सख्त अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां आयद किए जाने से पहले तक भारत द्वारा कुल आयातित क्रूड ऑयल का तकरीबन 15 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात किया जाता था। अमेरिकन वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के मुताबिक इस वक्त तकरीबन ईरान का 17 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल समुद्र में कार्गो शिप्स पर विद्यमान है। ईरान का यह समस्त तेल पहले से अनुबंधों से कदाचित बंधा हुआ नहीं है। ईरानी क्रूड ऑयल का एक हिस्सा इस समय विक्रय के लिए तैयार है। अगर अमेरिका द्वारा इन पाबंदियों को ढीला कर दिया जाता है अथवा उनका शक्ति से पालन नहीं होता तो फिर इस क्रूड ऑयल की अतिरिक्त सप्लाई अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिफाइनरियां ईरानी तेल को अपने सिस्टम में लाने के लिए सक्षम रही हैं और उसके प्रोसेसिंग के लिए बहुत कम ऑपरेशन बदलाव की आवश्यकता होगी। भारतीय रिफाइनरियों के पास पहले से ही ईरानी क्रूड ऑयल को प्रोसेस करने का बाकायदा अनुभव और तकनीक उपलब्ध रही है।

रिफाइन तेल निर्यात जारी

देखा जाए तो विश्व पटल पर भारत वस्तुतः क्रूड ऑयल को रिफाइन करने वाला सबसे बड़ा चौथा देश है। क्रूड तेल और गैस सप्लाई में विकेट बाधाओं का सामना करते हुए भी भारत ने चीन की तरह रिफाइन तेल के अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर रोक आयद नहीं की है। हालांकि भारत के समक्ष भी ऊर्जा संकट की कड़ी चुनौतियां विद्यमान हैं। फिलहाल तो भारत के सामने पेट्रोल-डीजल की समुचित सप्लाई का कोई तत्कालीन संकट उपस्थित नहीं है, किंतु युद्ध जारी रहता है तो फिर भारत में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर विकट संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईरान पर आयद पाबंदियों को ढीला करने के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री के ऐलान को अमलीजामा पहनाने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि उनके ऐलान पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई स्पष्ट ऐलान नहीं किया गया है।

तथ्यात्मक मुद्दों पर वोट करें मतदाता

जागरूकता

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

आगामी कुछ दिनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष पूरी ताकत लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इन चुनावों में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती थोड़ी ज्यादा इसलिए बढ़ी हुई है, चूंकि इस समय ऊर्जा संकट को लेकर माहौल बना हुआ है। अब सवाल यही है कि क्या विपक्ष धरातल व तथ्यात्मक मुद्दों के साथ ऊर्जा संकट का तड़का लगाकर सत्ता पक्ष को घेरता है और वहीं इसके विपरीत सत्ता पक्ष यह बताने में सार्थक हो पाता है कि सब ठीक है।

संसाधनों की मांग बढ़ी

जैसा कि मिडिल ईस्ट तनाव की वजह से देश में ऊर्जा संकट के दौरान बिजली, कोयला, पेट्रोल, या गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की मांग उनकी कुल आपूर्ति से थोड़ी अधिक हो गई। इसकी वजह से ईंधन की कमी के कारण उद्योग, परिवहन, और घरेलू उपयोग की चीजों पर थोड़ा प्रभाव पड़ गया है और यदि यह प्रकरण लंबा चला तो स्थिति थोड़ी चिंताजनक हो सकती है। इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। इस मामले को लेकर जनता को यह समझना होगा कि यह कोई स्थायी समस्या नहीं है और यह आज नहीं तो कल खत्म हो जाएगी, लेकिन वोट देने वाले लोगों को यह समझना होगा कि वह अपने उन मुद्दों पर वोट करें, जिससे वह पांच सालों से संतुष्ट या असुंष्ट रहे हैं। जनता को यह भी समझना होगा कि यह एक वैश्विक स्तर की आपदा है।

उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं।

विश्व पटल पर प्रयास

इसके निवारण के लिए विश्व पटल पर प्रयास भी किया जा रहा है और यदि इस वजह से कुछ समय की लिए देश गति धीमी अर्थात महंगाई बढ़ना या संसाधनों में कमी भी आ जाती है तो इस मुद्दे को लेकर वोट करने पर अपनी विचारधारा न बांधें चूंकि आप जिन मुद्दों को बीते पांच वर्षों से गहनता के साथ समझ रहे हैं, चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक उस पर अपनी विचारधारा के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। जनता को वोट डालते समय अपनी तरक्की, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और स्थानीय विकास जैसे सड़क, बिजली, पानी के मुख्य मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं, लेकिन अपनी क्षेत्रीय जनता के लिए काम बहुत बेहतर करते हैं। इन चुनावों में कई मौजूदा मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। ममता बनर्जी चौथी बार लगातार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर मैदान में हैं।

लगातार जनादेश पाने की कोशिश

वहीं, एम के स्टालिन दूसरी बार लगातार जनादेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। हेमंत बिसवा भी असम में दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि पिनाराई विजयन केरल में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे तो हर राज्य का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का चुनाव पक्ष-विपक्ष के लिए वर्चस्व की लड़ाई मानी जाती है। जैसा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव फिर से हर बार की तरह मुद्दों से कहीं परे होगा। यहां का चुनाव तो भारत-पाकिस्तान के मैच की तरह रोमांच बनाता है। चूंकि यहां की जनता के मस्तिष्क में पार्टियों ने मुद्दों के अलावा केवल वजूद की लड़ाई को भर रखा है। बहरहाल, हर मतदाता को अपनी सूझबूझता के साथ गुणवत्ता के आधार पर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि केंद्र में बैठी सरकार को अपने देश की चिंता होती है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करती है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि विषम परिस्थियों में धैर्य और विश्वास ही काम आता है।

तंगी है पर घरेलू भंडारण से उम्मीद

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया का तेल भंडार, जिसे हम तेल रिजर्व कहते हैं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल जमीन के अंदर, खासकर समुद्री सतह के नीचे पाया जाता है। इसका निर्माण लाखों-करोड़ों वर्षों में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के अवशेषों पर दबाव और तापमान के प्रभाव से होता है। यही कारण है कि तेल एक सीमित प्राकृतिक संसाधन माना जाता है। तेल रिजर्व के काम को तीन मुख्य चरणों में समझा जा सकता है- खोज, उत्पादन और भंडारण। सबसे पहले वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों, जैसे सिस्मिक सर्वे के जरिए यह पता लगाते हैं कि जमीन के नीचे तेल कहां मौजूद हो सकता है। इसके बाद ड्रिलिंग यानी कुओं की खुदाई करके कच्चा तेल बाहर निकाला जाता है।

उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत

यह प्रक्रिया काफी जटिल और महंगी होती है, जिसमें उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत होती है। निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरियों में भेजा जाता है, जहां उसे पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। लेकिन केवल उत्पादन ही पर्याप्त नहीं होता। हर देश भविष्य की जरूरतों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तेल का भंडारण भी करता है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी एसपीआर कहा जाता है। अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े देश अपने-अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर तेल का भंडारण करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि युद्ध, प्राकृतिक आपदा या आपूर्ति में बाधा जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो देश को ऊर्जा संकट का सामना न करना पड़े। भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और पादुर जैसे स्थानों पर रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए गए हैं। ये भंडार आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक साबित होते हैं।

तेल रिजर्व संकट के समय मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

घरेलू भंडारण क्षमता काफी मजबूत

यह भी स्पष्ट है कि भारत की घरेलू भंडारण क्षमता पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। इसके साथ ही, भारत का सीमित घरेलू उत्पादन और विभिन्न देशों के साथ अच्छे संबंधों के चलते कच्चे तेल का आयात भी संतुलित बना हुआ है। यही कारण है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की ऊर्जा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। तेल रिजर्व केवल ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी कारण से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है। ऐसे समय में देश अपने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाते हैं, जिससे कीमतों के अत्यधिक बढ़ने को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

बाजार को स्थिर रखने की कोशिश

हाल के युद्ध जैसे हालात जैसे ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव ने एक बार फिर यह दिखाया है कि तेल रिजर्व कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत सहित कई देशों ने अपने भंडार का उपयोग कर बाजार को स्थिर रखने की कोशिश की है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में पेट्रोल और डीजल का लगभग 60 दिनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि तेल रिजर्व एक स्थायी समाधान नहीं हैं। इनकी मात्रा सीमित होती है और लंबे समय तक संकट रहने पर इनका असर कम हो सकता है। इसके अलावा, तेल की कीमतें काफी हद तक तेल उत्पादक देशों के संगठन, ओपेक की नीतियों पर भी निर्भर करती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तेल रिजर्व युद्ध और संकट के समय एक मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

पश्चिम एशिया युद्ध अर्थव्यवस्था पर बढ़ाएगा दबाव

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब एशियाई देशों पर साफ दिखने लगा है। एशिया के ज्यादातर देश तेल और गैस के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई में रुकावट आते ही कीमतें बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर इन देशों के खर्च, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ऊर्जा की कीमतें बढ़ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचता है। गैस की कमी से फर्टिलाइजर उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे खेती महंगी हो जाती है और फूड प्राइस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ते ही आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ता है। इस संकट का असर एक नहीं, बल्कि चार बड़े चैनलों से एशिया तक पहुंच रहा है। पहला, तेल और गैस के आयात महंगे हो रहे हैं। दूसरा, ट्रांसपोर्ट और हवाई यात्रा बाधित हो रही है, जिससे टूरिज्म पर असर पड़ रहा है।

तीसरा, पश्चिम एशिया से आने वाली रेमिटेंस में कमी का खतरा है। और चौथा, वित्तीय बाजारों में डर बढ़ रहा है, जिससे निवेश कम हो सकता है। इन चारों का संयुक्त असर अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में उभरे इस संकट से भारत भी अछूता नहीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया में उपजे संकट पर लोकसभा में बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल रहा है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है।

साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यतः खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण

भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है।

है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हैं और मानवीय भी हैं। कुल मिलाकर, यह संकट एशिया के लिए एक डबल झटका बनकर सामने आ रहा है। एक तरफ महंगी ऊर्जा और बढ़ती महंगाई, और दूसरी तरफ धीमी होती आर्थिक ग्रोथ। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर दिखना शुरू हो गया है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला, तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा

ऐसे में पश्चिम एशिया का संकट केवल विदेश नीति की चुनौती नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक व्यापक परीक्षा है, जो ऊर्जा, खाद्य, समुद्री क्षेत्र, प्रवासी समुदाय और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे अंतर्संबंधों को उजागर करती है। इससे मिलने वाला स्थायी सबक यह है कि लचीलापन बार-बार आने वाले झटकों से निपटने में नहीं, बल्कि विद्युतीकरण, विविधीकरण, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक रणनीतिक दूरदर्शिता के माध्यम से बाहरी निर्भरता को व्यवस्थित रूप से कम करने में निहित है।

वस्तुओं-सेवाओं पर आर्थिक मार से आम आदमी त्रस्त

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

यह कठोर सत्य है कि विज्ञान, प्रगति, तकनीक तथा आधुनिकता की अति ने लोगों व देशों के मतभेदों को भयंकर वैश्विक युद्धों में परिवर्तित कर दिया है। इजराइल और ईरान के मध्य लगभग एक महीने से युद्ध हो रहा है। अमेरिका भी इजराइल की ओर से युद्धरत है। युद्धक प्रक्षेपास्त्रों द्वारा हो रहे हमलों के कारण इजराइल, ईरान तथा अमेरिकी सैन्य संरचनाओं व अन्य संसाधनों को अपने यहां स्थापित करने वाले खाड़ी के देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, इत्यादि में हजारों लोग मर चुके हैं। हजारों की संख्या में बुरी तरह घायल हैं।

इन सभी देशों के महत्वपूर्ण शासकीय भवन, आवासीय परिसर तथा तेल व गैस की संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। लाखों मानवों के सामने भूख-प्यास से पीड़ित होते हुए दीर्घ विस्थापन का संकट पसर चुका है। इन देशों में अब तक चली आ रही जीवन की सामान्य गतिविधियां ठप हैं। अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरान के परमाणु संवर्द्धन स्थलों, तेल-गैस की संरचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठिकानों पर किए गये अनेक हमलों के कारण ईरान के माध्यम से यूरोप व एशिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति तात्कालिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों-महीनों के लिए भी बाधित हो गई है।

हालांकि वैश्विक तेल आपूर्ति में ईरान की हिस्सेदारी लगभग दो या तीन प्रतिशत है, किंतु दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने वाला बीस प्रतिशत कच्चा तेल व द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईरान, ओमान व संयुक्त अरब अमीरात की समुद्री सीमाओं के रास्ते होकर पहुंचता है। ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत भी अपनी आवश्यकता का तेल व गैस रूस और इराक से खरीद रहा था, लेकिन भारत तक जो भी 40 प्रतिशत कच्चा तेल व 54 प्रतिशत से अधिक एलएनजी आती है, उसका आयात संकरे होर्मुज मार्ग से ही संभव हो पाता है। भूमध्य सागर की इस समुद्री पारिस्थितिकी के एक माह तक युद्ध में फंसे होने के कारण, दुनिया को निर्यात होने वाला तेल-गैस ठप हो गया था। अब, जब अमेरिका से लेकर भारत, चीन से लेकर

युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं।

रूस तथा यूरोप से लेकर पश्चिम व पूरे एशिया क्षेत्र में तेल-गैस की सुचारू आपूर्ति बाधित होने से, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में ठहराव के गंभीर संकेत मिलने लगे हैं तो अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध को रुकवाने की कोशिशें होने लगी हैं। हालांकि युद्ध को रोकने के लिए पूरी दुनिया के प्रमुख देश प्रयास तो कर ही रहे थे, किंतु जिन देशों के अस्त्र-शस्त्र विनिर्माताओं व कारोबारियों के कारोबारी हित युद्ध को चलाये रखने के साथ जुड़े हुए थे, एक महीने तक उनके हथियारों की युद्धक खपत के बाद अर्थात युद्ध की बदौलत चलने वाले उनके कारोबारी फायदे के बाद, अब तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से होने वाले अखिल वैश्विक नुकसान की समीक्षा होने लगी है।

वैश्विक ग्राम में परिवर्तित दुनिया के शीर्ष दस देशों की अर्थव्यवस्था की चमक केवल युद्ध होते रहने से नहीं बढ़ेगी। उत्तर आधुनिक काल के जीवन की सामान्य दैनिक गतिविधियों के बल पर ही यह चमक बढ़ेगी, इसलिए अब विशेषकर अमेरिका की ओर से युद्ध थामने की कोशिशें होने लगी हैं। यदि युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं, जो होर्मुज के युद्ध प्रभावित होने से एक माह की अवधि तक पिछड़ गई है। ऐसे में भारत के आम आदमी के सामने अनेक समस्याएं उभर रही हैं। तेल-गैस की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पा रही। युद्धावधि के दौरान घरेलू व व्यावसायिक गैस की कीमतें भी बढ़ गई थीं। आगामी दिनों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था में तेल-गैस प्रमुख भूमिका में हैं। इनकी आपूर्ति में बाधा के कारण उद्योग, व्यापार में ठहराव है। परिवहन क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है। आधुनिक जीवन व्यवस्था में एक वस्तु की आपूर्ति में संकट उत्पन्न होने से अनेक अन्य वस्तुओं-सेवाओं का व्यापार अवश्य प्रभावित होता है।

तेल व गैस मुख्य पांच आवश्यकताओं में शामिल हैं। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट का सामना करने के लिए देश को ऊर्जा, ईंधन के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। भारत के शासनतंत्र में विपक्ष की भूमिका, वैश्विक युद्धों तथा प्राकृतिक संकटों की पुनरावृत्ति के बाद भी नागरिकों के प्रति दायित्वबोधी नहीं हो पा रही है। विपक्ष के कारण भारतीय लोकतंत्र के प्रति अधिसंख्य संवेदनशील नागरिकों में मौन गंभीर विद्रोह पसर रहा है।

तरकश

संजय के. दीक्षित

ब्रांडेड शराब, मुख्य सचिव और खेला

रमन सरकार 2.0 के दौरान शराब माफियाओं को झटका देते हुए गवर्नमेंट द्वारा शराब बेचने की नीति बनाई गई थी, उसमें शराब खरीदने-बेचने वाली स्टेट मार्केटिंग कंपनी में चीफ सिकरेट्री को पदेन चेयरमैन बनाया गया था। इसलिए, ताकि कोई गड़बड़ी न हो। बावजूद इसके 3200 करोड़ का घोटाला हो गया। हालांकि, मुख्य सचिव बनते के बाद विकास शील ने स्टेट मार्केटिंग कंपनी की पहली बैठक में ही शराब में 'वन टू का फोर' के खेल को बंद करने की कवायद शुरू कर दी। उससे पहले शराब कंपनियां दुकानों में प्रतिद्वंद्वी कंपनियों की बजाए अपना ब्रांड रखवा देती थी। इससे लोग पसंदीदा ब्रांड के लिए भटकते रहते थे। स्टेट कंपनी के अफसरों से गठजोड़ कर इस खेल को अंजाम दिया जाता था। मगर आश्चर्य यह है कि बीजेपी की सरकार आने के बाद भी पिछले दो साल से ये खेल बदस्तूर जारी था। बहरहाल, सीएस ने अब 'मनपसंद' ऐप्प चालू करवा दिया है। अब ऐप्प पर जाकर देखा जा सकता है कि किस शॉप में उनके पसंद का ब्रांड उपलब्ध है और कहां नहीं। दूसरा, अब शराब खरीदने के लिए यूपीआई से पेमेंट करना होगा। यानी नो कैश ट्रांजेक्शन। दरअसल, ईडी इसी खेल की जांच कर रही है...कई अफसर सलाखों के पीछे हैं। खेल था...सरकारी शराब के पैरेलेल प्रायवेट तौर पर शराब बेचकर करोड़ों अंदर करना। यूपीआई से पेमेंट होने पर अब गोलमाल संभव नहीं हो पाएगा। अलबत्ता, सीएस के इस एक्शन से कई शराब कारोबारियों को झटका लगा है। कसमसा तो आबकारी विभाग वाले भी रहे हैं और कुछ बीजेपी के नेता भी, क्योंकि उनके पेट पर चोट पहुंच रही।

सरकार संज्ञान ले

बात निकली चीफ सिकरेट्री के अहम संस्थाओं में चेयरमैन बनाने की तो सीजीएमएससी भी उनमें शामिल था। बता दें, स्वास्थ्य मंत्री अमर अग्रवाल के दौर में सीजीएमएससी का गठन किया था और उसमें मुख्य सचिव को पदेन चेयरमैन बनाया गया था। ताकि, नीचे के मुलाजिमों में भय बना रहे। मगर पिछली सरकार में इसे उलट सरगुजा से विधायक डॉ0 प्रीतम राम को ढाई करोड़ लोगों की जान की रक्षा करने वाले सीजीएमएससी का चेयरमैन बना दिया गया। चलिये प्रीतम राम तो पेशे से चिकित्सक थे, उन्हें दवा, मशीन के बारे में कुछ तो जानकारियां रही होगी। बीजेपी शासनकाल में दीपक महस्के को इस निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। जाहिर है, बीजेपी का आईटी सेल देखने वाले महस्के को मेडिकल लाइन का एबीसीडी का ज्ञान नहीं होगा। और जब डॉक्टर के चेयरमैन होने के बाद सीजीएमएससी में 400 करोड़ का रीएजेंट घोटाला हो गया...आधा दर्जन अफसर और सप्लायर जेल में हैं और आधा दर्जन कभी भी भीतर जा सकते हैं तो फिर इस समय क्या होगा, भगवान ही मालिक है।

वीआईपी एमडी

ऐसा जलवा तो निगम, बोर्डों में पोस्टेड आईएएस एमडी भी नहीं काटते होंगे, जैसा बिजली कंपनी के एक प्रबंध निदेशक काट रहे हैं। उनके काफिले में एक पायलट गाड़ी चलती है। उसमें बिजली कंपनी का खाकी वर्दी वाला सिक्यूरिटी अफसर चलता है। सिक्यूरिटी अफसर को इतना अपटूडेट रखा जाता है कि सड़क पर लोग भ्रम खा जाए कि छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स का कोई रंगरूट होगा। एमडी इतने शौकीन हैं कि उन्हें कलम भी सरकारी पैसे का चाहिए...वो भी हल्का-फुल्का नहीं...हाल में उन्होंने 5000 का पेन खरीदवाया है। रही बात, पायलेटिंग की तो छत्तीसगढ़ में चीफ सिकरेट्री और डीजीपी की भी पायलेटिंग नहीं होती। सूबे में अब तक किसी डीजीपी की अगर पायलेटिंग हुई है तो वे थे विश्वरंजन। विश्वरंजन का पिछले हफ्ते ही स्वर्गवास हुआ है। दिल्ली आईबी से लौटे विश्वरंजन का रसूख भी ऐसा था कि उनका एक बार चलता था। मगर इंजीनियर से प्रमोट होकर एमडी बने अफसर अगर पायलेटिंग करवा रहा तो समझा जा सकता है छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है।

सीएस, डीजीपी का प्रोटोकॉल

बात चीफ सिकरेट्री और डीजीपी की पायलेटिंग की आई तो ये दोनों कार्यपालिका और सिक्योरिटी के सुप्रीम पद हैं। इनके सिकरेट्री प्रोटोकॉल में भी पायलेटिंग और फॉलोगार्ड आता है। सीएस को वाय और डीजीपी को जेड केटेगरी की सुरक्षा होनी चाहिए। मगर फोकस में आने से बचने के लिए छत्तीसगढ़ में सीएस और डीजीपी इसका इस्तेमाल नहीं करते। मगर कायदे से दोनों को अपने पद के औरा का खयाल रखना चाहिए। ठीक है, सरकारी मुलाजिम लोक सेवक होता है मगर पद के अनुरूप उसका तामझाम और सिक्योरिटी होनी चाहिए। वरना, कलेक्टर और सीएस तथा एसपी और डीजीपी में क्या फर्क रहेगा।

100 अटेंडेंस

छत्तीसगढ़ के मंत्रालय में एक जनवरी से बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू किया गया, उस टाईम एकमात्र अफसर टाईम से आ रहे थे। याने दिसंबर का फिगर सिर्फ एक रहा। इसके बाद जनवरी में 10 बजे तक मंत्रालय पहुंचने वालों की संख्या 18 हुई और फरवरी में 100 । मार्च में लगभग दुगुना होने का अंदेशा हैं। जीएडी का प्रयास है कि इसके बाद इसे पब्लिक के लिए ओपन कर दिया जाए। याने कोई भी सरकार के वेबसाइट पर जाकर देख सकेगा कि कितने अफसर कितने बजे तक ऑफिस आते हैं और शाम को कितने बजे जाते हैं। हालांकि, इसमें अफसरों का नाम नहीं रहेगा, संख्या रहेगी।

ई-ऑफिस के फायदे?

अब इसे ई-ऑफिस में फंसना कहें कि टेक्नालॉजी का फायदा, विभिन्न राज्यों में चुनाव कराने गए कई आईएएस अफसर रायपुर में न रहने के बाद भी ई-ऑफिस पर फाइलें क्लियर कर रहे। यदि ऐसा रहा तो सरकार को लिंक अफसर बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अफसरों के अवकाश में रहने के बाद भी महत्वपूर्ण फाइलों के लिए लिंक अफसर नियुक्त किए जाते हैं। चीफ सिकरेट्री को इसकी रिपोर्ट मांगनी चाहिए कि चुनाव ड्यूटी में रहने के बाद भी कितने अफसरों ने ई-ऑफिस से सरकारी काम भी करते रहे...उन्हें सम्मानित करना चाहिए।

पोस्टिंग में सियासत?

प्रदेश के दूसरे बड़े शहर मंत्रिपरिषद में प्रतिनिधित्व के मामले में दुर्भाग्यशाली तो है ही अफसरों की पोस्टिंग के मामले में इस शहर के साथ दोयम व्यवहार किया जा रहा है। बिलासपुर नगर निगम में अजीत जोगी सरकार के समय से डायरेक्ट आईएएस कमिश्नर रहे। कभी-कभार राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर आयुक्त बने भी तो वे पारफर्मेंस वाले रहे। मगर अभी जो पोस्टिंग हुई है, उसके बाद स्थिति यह है कि एक सड़क को पीडब्लूडी ने ठेका दे दिया और उसी ठेकेदार को नगर निगम ने भी ठेका दे डाला। निगम के अफसरों का खेल ये था कि पीडब्लूडी सड़क बनवाएं और निगम से भी उसका बिल पास कर करोड़ों रुपए अंदर कर लिया जाए। मगर उससे पहले खेल का भंडाफोड़ हो गया। हो सकता है, इसमें दोष निगम कमिश्नर का न हो। काफी लो प्रोफाइल के वे सीधे-साधे अफसर हैं। तभी तो स्मार्ट सिटी के मद से 16 करोड़ में बनवाए गए मल्टीलेवल पार्किंग में एक आटो डील वाले ने कब्जा कर लिया है। पार्किंग के एक फ्लोर पर डीलर ने 500 मोटरसायकिलें लाकर खड़ी कर दी। वो भी निगम मुख्यालय के ठीक सामने स्थित पार्किंग में। इससे समझा जा सकता है, नगर निगम में क्या चल रहा होगा। बहरहाल, बात पोस्टिंग में सियासत की तो जिस एसडीएम को एसीबी छापे के बाद हटा कर बस्तर भेजा गया, आश्चर्यजनक तौर से उसकी पोस्टिंग फिर बिलासपुर कर दी गई। सिस्टम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा तो कम-से-कम बीजेपी को देखना चाहिए। अभी तो जांजगीर गड्ढा हुआ है, कोई भरोसा नहीं कि 2028 के इलेक्शन में बिलासपुर जिला भी बड़ा गड्ढा बन जाए। कलेक्टर संजय अग्रवाल को टीम अच्छी नहीं मिलेगी तो वे अकेले क्या कर लेंगे। वैसे भी किसी जमाने में अविभाजित बिलासपुर जिले की 19 की 19 सीटें कांग्रेस की झोली में जाती थी।

मूंछ और चोटी वाले अफसर

नाम जरूर हायर है मगर इस विभाग में आमतौर पर हायर प्रोफाइल वाले अफसर कभी रहे नहीं और कोई जाना भी नहीं चाहता। बात हायर एजुकेशन की हो रही है। सरकार ने इस विभाग में अभिनंदन स्टाईल वाले मूंछेले अफसर और चोटी वाले आईएएस को बिठाया है। और इस समय विभाग का हाल ये है कि सालों से अटके सलेक्शन, पोस्टिंग और सस्पेंशन धड़ाधड़ हो रहे हैं। इससे पहले कभी कालेजों के प्रोफेसरों को निलंबित होते नहीं देखा गया। लेकिन पिछले छह महीने में कई प्रिंसिपल और असिस्टेंट प्रोफेसर निलंबित हो गए हैं। ऐसा तो नहीं...मूंछ और चोटी रखने से एक्स्ट्रा एनर्जी मिल जाती है?

कमजोर कलेक्टर-1

छत्तीसगढ़ ने कभी उदय वर्मा, प्रशांत मेहता, शैलेंद्र सिंह, नजीब जंग, सुनिल कुमार, अजय नाथ, देवराज बिरदी, विवेक ढांड, एमके राउत जैसे दमदार कलेक्टरों को देखा है। मगर अब आलम यह है कि 33 में से 25 से अधिक 'पठरू' कलेक्टर हैं। दरअसल, कलेक्टरों में दमदारी दिख नहीं रही। छोटे-मोटे लॉ एंड आर्डर होने पर वे मुख्य सचिव और सीएम सचिवालय की ओर देखने लगते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद के कलेक्टरों की बात करें, तो सुबोध सिंह रायपुर और बिलासपुर में किसी से मिलने से कतराते नहीं थे। दलित समाज के एक बड़े धर्मगुरू अक्सर उनके चेंबर में बैठे पाए जाते थे। इन्हीं संपर्कों के जरिये उन्होंने गिरौदपुरी और बिल्हा की कई हिंसक घटनाओं पर काबू पाने में कामयाबी पाई। तो रायपुर में एक व्यापारी समुदाय के युवक की मौत के बाद मामला काफी बिगड़ गया था। भगत सिंह चौक पर लाश लेकर समाज के लोग बैठ गए थे। सुबोध सिंह बिना घबराये मौके पर पहुंच गए थे। अब तो हालत यह है कि कलेक्टर की तो दूर की बात एसपी, आईजी बिना फॉलोगार्ड लेकर मौके पर नहीं पहुंचते। कलेक्टर तो कोई घटना होती है तो बंगले में दुबक जाते हैं। बलौदा बाजार में जैसे ही हिंसा शुरू हुई, कलेक्टर शहर से बाहर चले गए थे।

कमजोर कलेक्टर-2

सरकार और जीएडी सिकेट्री रजत कुमार को कलेक्टरों की कमजोरी का कोई सौल्यूशन निकालना चाहिए। रजत खुद भी दमदार रहे हैं...कोरबा के लोगों ने देखा भी है। दरअसल, दिक्कत वहां से शुरू हुई, जब राज्य बनने के बाद आईएएस अधिकारियों को बिना एडीएम बनाए कलेक्टर बनाया जाने लगा। एक तो इस समय छत्तीसगढ़ में सबसे कम समय सिर्फ छह साल में कलेक्टरी मिल जा रही। उसमें एसडीएम की एक पोस्टिंग, उसके बाद जिला पंचायत सीईओ या निगम कमिश्नर और उसके बाद फिर सीधे जिले में डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट। इससे प्रशासन की बारीकियों से वे अनभिज्ञ रह जा रहे। चीफ सिकेट्री को पता होगा, मध्यप्रदेश के दौर में कलेक्टर बनने से पहले एडीएम बनना अनिवार्य था, फिर उस समय डीआरडीए का सीईओ, तब जाकर कलेक्टरी मिलती थी। एडीएम कलेक्टर और एसडीएम के बीच की कड़ी होते थे। हर धरना, प्रदर्शनों पर एडीएम को भेजा जाता था तो ज्ञापन भी एडीएम लेते थे। उससे कलेक्टरों को जिले के लिए प्लानिंग करने का टाईम मिलता था और एडीएम को एडमिनिस्ट्रेशन का अनुभव। एडीएम बनने का मतलब था कि पक्ष-विपक्ष दोनों ही दलों के नेताओं से बढ़ियां कनेक्शन बन जाना। कलेक्टर या उसके उपर की पोस्टिंगों में ये चीजें बडे काम आती थी। मगर अब तो ये हाल है कि अधिकांश कलेक्टरों को नेताओं या आम आदमी से कोई वास्ता नहीं रह गया है। सरकारें बदलती है, जनदर्शन लगाने का आदेश जारी करती हैं और फिर वह कूडेदान में चला जाता है।

कलेक्टर-एसपी भाई-भाई

सिकरेट्री टू सीएम बनने के बाद तत्कालीन जीएडी सिकेट्री मुकेश बंसल ने फर्स्ट व्हाट्सएप कलेक्टर-एसपी के पारफर्मेंस और ट्यूनिंग को लेकर किया था। मगर वो बेमतलब निकला। अधिकांश जिलों के कलेक्टर-एसपी एक सूत्रीय एजेंडा में डटे हुए हैं। रही बात जनदर्शन की तो ऐसे जिले उंगलियों पर गिने जाने वाले होंगे। वैसे, वर्तमान दौर में जनदर्शन का कोई औचित्य नहीं भी नहीं रह गया है। इससे पब्लिक में नाराजगी और बढ़ती है। रमन सिंह के दौर तक अफसरशाही पटरी पर थी। मगर अब सब डिरेल्ड है। आखिर, पटवारी, आरआई और तहसीलदार, एसडीएम से जब न्याय नहीं मिलता तो आम आदमी कलेक्टर के पास पहुंचता है और कलेक्टर साब लोग समस्या ठीक से सुने बिना....नीचे रीडर को मार्क कर देते हैं। रीडर आवेदन को फिर उन्हीं खटराल तहसीलदार, एसडीएम के पास भेज देते हैं जांच के लिए, जहां से आदमी पहले ही आजिज आ चुका होता है। यही हाल कप्तान साब लोगों का है। एसपी से थाना या सीएसपी की शिकायत लेकर जाओ तो कलेक्टर जैसे ही नीचे मार्क कर देते हैं। ऐसे में आम आदमी को टाईम और पैसा खर्च होने के अलावा कुछ हासिल होता नहीं। फिर चुनाव आता है तो लोग सबक सिखाते हैं। जैसे कांग्रेस गवर्नमेंट में हुआ। उस समय विडबंना ये थी कि मुख्यमंत्री तेज-तर्रार थे मगर किन्हीं कारणों से प्रशासनिक सिस्टम निरंकुश हो गया था। उसकी कीमत कांग्रेस सरकार को चुकानी पड़ी।

सीएस का तीर?

कैबिनेट की बैठकों में अफसरों की बढ़ती भीड़ पर सख्ती दिखाते हुए चीफ सिकरेट्री ने इस पर अंकुश लगाने सचिवों को कड़ा पत्र लिखा है। भीड़ बढ़ने की एक बड़ी वजह सचिवों का सब्जेक्ट की स्टडी न होना भी है। अधिकांश सिकेट्री विभागों के कामकाज पर पकड़ नहीं रखते। इसलिए अपने डायरेक्टर, एमडी को तो बुलाते ही हैं, विभाग के सौ ताले की एक चाबी या श्रमजीवी मुलाजिम को कैबिनेट की बैठकों में बुला लेते हैं, ताकि चर्चा के दौरान कहीं गाडी अटकी तो तुरंत उनसे पूछ जवाब दे सकें। बहरहाल, सीएस के लेटर रुपी तीर ने कई और लोगों को जख्मी किया है, जो बिना काम कैबिनेट में घूस आते थे।

गॉड गिफ्टेड

विधानसभा अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह कोयंबटूर में इलाज कर रायपुर लौट आए हैं, और अब बिल्कुल स्वस्थ हैं। इसमें खबर ये है कि उनके आए लगभग पखवाड़ा गुजर चुका है, बावजूद उनसे मिल कुशल क्षेम पूछने वालों का तांता लगा है। कह सकते हैं...मुख्यमंत्री पद से हटे सात साल गुजर जाने के बाद भी उनकी लोकप्रियता का ग्राफ कम नहीं हुआ तो इसमें कुछ उपर वाले का भी हाथ है। 2018 में विधानसभा चुनाव बुरी कदर हारने के बाद लोगों ने अफसरशाही पर ठीकरा फोड़ा...मंत्रियों की अहंकार को कोसा...मगर रमन को एक शब्द नहीं। इसका निहितार्थ यह कि सूबे की राजनीति में रमन का रुतबा कायम है। ऐसा सम्मान छत्तीसगढ़ के किसी और नेता को नहीं मिला।

अंत में दो सवाल आपसे

1. वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की पत्नियां आजकल बिलासपुर की पोस्टिंग से क्यों घबरा रही हैं?
2. खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ के 33 में से किन पांच कलेक्टरों को लंगोट का ढीला बताया गया है?

आवश्यकता है

पं. जवाहर लाल नेहरु महाविद्यालय नवागढ़, जिला जांजगीर चांपा (छ ग) 495557 में निम्न पदों पर परिनियम 28 की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित हैं।

1 प्राचार्य 1पद
2 अकादमिक विशेषज्ञ (सेवा निवृत्त प्राध्यापक/प्राचार्य - अंशकालीन सेवा)
3 सहायक प्राध्यापक - (2- 2पद) वाणिज्य, जूलोजी, बॉटनी, केमिस्ट्री, फिजिक्स, मैथ्स, कंप्यूटर वि., हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र,
4 लायब्रेरियन, खेल प्रशिक्षक, अकाउंटेंट (1- 1)

वेतनमान - यूजीसी नियमानुसार
आरक्षण- राज्य शासन के नियमानुसार
योग्यता - Phd /नेट/सेट/ अनुभवी

आवेदन मेल/पोस्ट करें-
JLNCOLLEGENAWAGARH@GMAIL.COM

फोन- 9981348927

सिप+हिप+ टिप पैसा बनाने के साथ देते हैं लाइफ और सुरक्षा

सुझाव | बिजनेस डेस्क

आज के समय में केवल कमाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस कमाई को सही दिशा में लगाना, सुरक्षित रखना और भविष्य के लिए बढ़ाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। महंगाई, बढ़ते मेडिकल खर्च और जीवन की अनिश्चितताओं के बीच एक संतुलित वित्तीय योजना ही आपको मजबूत बना सकती है। यही कारण है कि 2026 में सिप, हिप और टिप का कॉम्बिनेशन स्मार्ट निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह तीनों मिलकर आपकी वेल्थ, हेल्थ और सिक्योरिटी तीनों को संतुलित करते हैं। इसलिए निवेशक इन्हें अपनाकर अपाना भविष्य सरक्षित कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है तीनों का कॉम्बो?

- आज की आर्थिक परिस्थितियों में एक ही विकल्प पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।
- महंगाई लगातार बढ़ रही है
- हेल्थकेयर खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं
- जीवन में अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है
- ऐसे में एक ऐसा प्लान जरूरी है, जो हर स्थिति में आपका साथ दे। सिप, हिप और टिप का कॉम्बो आपकी आय को बढ़ाने, बचाने और सुरक्षित रखने का संतुलन बनाता है। यही एक समझदार निवेशक की पहचान भी है।

सिपः छोटे निवेश से बड़ा फंड का फॉर्मूला

सिटेमैटिक प्लान यानी सिप हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की रणनीति, जो समय के साथ बड़ा फंड तैयार करती है। इसमें आप 500 रुपये, 1000 रुपये या 5000 रुपये जैसी छोटी रकम से भी शुरुआत कर सकते हैं। सबसे बड़ी ताकत है "कंपाउंडिंग" यानी आपके पैसे पर भी पैसा बनना।

- लंबी अवधि में 10–12% तक रिटर्न की संभावना
- मार्केट के उतार-चढ़ाव का औसत असर
- अनुशासित निवेश की आदत
- जितना लंबा समय, उतना बड़ा फंड यही सिप की खासियत है। इसलिए इसे लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन का सबसे भरोसेमंद तरीका माना जाता है।

हिप : आपकी सेविंग्स का बॉडीगार्ड

हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यानी हिप को अक्सर लोग खर्च समझ लेते हैं, जबकि असल में यह आपकी बचत की सुरक्षा करता है। आज के दौर में एक गंभीर बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी कुछ ही दिनों में लाखों रुपये खर्च करा सकती है। ऐसे में अगर आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है, तो आपकी सालों की जमा पूंजी खत्म हो सकती है। ऐसे में हेल्थ इंश्योरेंस आपकी संभाल करता है। इसलिए इसे लेना न भूलें। से अपातकालीन हालात में आपकी रक्षा करता है।

- अस्पताल का खर्च बीमा कंपनी उठाती है
- आपकी सेविंग्स और निवेश सुरक्षित रहते हैं
- मानसिक तनाव कम होता है
- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति को अपनी सालाना आय के कम से कम 50% के बराबर हेल्थ कवर जरूर लेना चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये है, तो कम से कम 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए।

टिप : परिवार की आर्थिक सुरक्षा की ढाल

- टर्म इंश्योरेंश प्लान यानी आपके परिवार के लिए सबसे मजबूत वित्तीय सुरक्षा कवच माना जाता है। जीवन अनिश्चित है, और अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार पर आर्थिक संकट आ सकता है।

बिजनेस साइट

बालको मेडिकल सेंटर ने मध्य भारत की पहली उन्नत रोबोटिक कैंसर सर्जरी तकनीक शुरू की

रायपुर। वेदांता समूह के बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्य भारत में पहली बार उन्नत 'दा विंची' रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की शुरुआत की है। इसके साथ ही बीएमसी इस तकनीक को अपनाने वाला क्षेत्र का पहला निजी अस्पताल बन गया है। इस अत्याधुनिक तकनीक के शुरू होने से छत्तीसगढ़ सहित आसपास के राज्यों के मरीजों को अब जटिल कैंसर सर्जरी के लिए बड़े महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से छोटे चीरे, कम रक्तस्राव, अस्पताल में कम भर्ती अवधि और तेज रिकवरी संभव हो सकेगी, जिससे उपचार के परिणाम और मरीजों का अनुभव बेहतर होगा। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. दिवाकर पांडेय ने बताया कि बीएमसी में हर वर्ष 3 हजार से अधिक सर्जरी की जाती हैं। नई तकनीक से जटिल अंग संरचनाओं में अधिक सटीक सर्जरी संभव होगी और अंगों की कार्यक्षमता को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। वहीं, वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. भावना सिरोही ने इसे संस्थान को उत्कृष्टता केंद्र बनाने की दिशा में अहम बताया। बालको के सीईओ राजेश कुमार ने कहा कि इस पहल से मरीजों की यात्रा और इलाज का खर्च दोनों कम होंगे। बीएमसी अब तक 12 हजार से अधिक जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक कर चुका है।

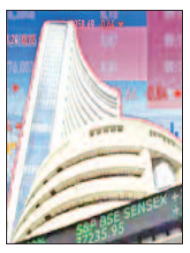

विशेषज्ञों की सलाह : हड़बड़ाहट में पैसा न निकालें, निवेश बनाएं रखें, एसआईपी में बढ़ा सकते हैं निवेश

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच शांति व धैर्य जरूरी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल, कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का कर रहे विचार

> ऐसे समय में धैर्य खोना निवेशकों के लिए नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए संयम से काम लें और निवेश बनाएं रखें। लंबी अवधि में निवेश आपको फायदा देकर ही जाएगा।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव खासतौर पर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव का असर अब दुनियाभर के शेयर बाजारों पर साफ नजर आने लगा है। लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का विचार कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे समय में घबराने की बजाय संयम और समझदारी से काम लेना ही सबसे बेहतर रणनीति होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के फंडामेंटल्स मजबूत हैं और लंबी अवधि के निवेशकों को आगे चलकर इसका फायदा मिल सकता है। निवेशक चाहें तो एसआईपी में निवेश बढ़ा सकते हैं, चूंकि लंबी अवधि में इसका लाभ मिलेगा। यह गिरावट कुछ समय के लिए हो सकती है। इसलिए लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर शांति और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार के जानकारों ने निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि बाजार में गिरावट के दौरान जल्दबाजी में शेयर बेचना नुकसानदेह हो सकता है। उनका कहना है कि वर्तमान में जो उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है, वह केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक ट्रेंड है। दुनिया के कई बड़े बाजारों में 7% से 10% तक की गिरावट देखी जा रही है।

लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी

विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है। लंबी अवधि का नजरिया। जब कोई निवेशक किसी कंपनी के शेयर खरीदता है, तो वह उस कंपनी के भविष्य में निवेश कर रहा होता है। ऐसे में रोजाना के उतार-चढ़ाव पर ध्यान देना जरूरी नहीं होता। अगर निवेशक 5 से 10 साल के दृष्टिकोण से निवेश करते हैं, तो बाजार के अस्थायी उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है और बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इतिहास भी यही बताता है कि लंबे समय तक बाजार में बने रहने वाले निवेशकों को अक्सर अच्छा लाभ मिला है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

- भले ही बाजार में अल्पकालिक गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।
- देश की जीडीपी ग्रोथ दर स्थिर और सकारात्मक बनी हुई है
- महंगाई नियंत्रण में है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हो रही है
- बिजली खपत और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में तेजी है
- ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत है। यही कारण है कि लंबे समय में बाजार की दिशा सकारात्मक रहने की उम्मीद की जाती है।
- भारत का शेयर बाजार भी लगातार विस्तार कर रहा है। निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और नए आईपीओ की भरमार इस बात का संकेत है कि बाजार पर लोगों का भरोसा कायम है।

धैर्य और अनुशासन ही निवेश की असली ताकत

- शेयर बाजार में सफल होने के लिए केवल सही स्टॉक चुनना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही व्यवहार और मानसिकता भी जरूरी होती है।
- हर गिरावट पर घबराना नुकसानदायक हो सकता है
- बार-बार खरीद-बिक्री से लागत बढ़ती है
- भावनात्मक फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं
- इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार योजना बनाएं और उसी पर टिके रहें।

वैश्विक संकट का असर

- वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता का माहौल है। युद्ध, आर्थिक नीतियों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं बाजार को प्रभावित करती हैं, लेकिन यह भी सच है कि बाजार इन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखता है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े संकट के बाद बाजार ने वापसी की है और नए उच्च स्तर भी हासिल किए हैं। ऐसे में निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि मौजूदा गिरावट स्थायी नहीं है।

संयम रखें, रणनीति पर टिके रहें

- बाजार में उतार-चढ़ाव निवेश का स्वाभाविक हिस्सा है
- घबराकर निवेश निकालना अक्सर नुकसानदायक होता है
- लंबी अवधि का नजरिया और अनुशासन जरूरी है
- निवेश एक लंबी यात्रा है, जिसमें धैर्य और समझदारी सबसे बड़े साथी होते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत रहकर अपनी रणनीति पर टिके रहना ही सही निर्णय साबित हो सकता है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर
Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

अकाउंट कार्य
आवश्यकता है- एफएमसीजी प्रोडक्ट की कंपनी में एकाउंट कार्य हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है फिल विकल्प प्राइवेट लिमिटेड आकाश गंगा सुपेला डिल्लन कॉम्प्लेक्स-91-8518929999, 7470989889 (आरो-242)

लॉन्ड्री कार्य
आवश्यकता है- वांछितः लॉन्ड्री शॉप के लिए इस्त्री, ड्राई क्लीनिंग व वॉशिंग स्टाफ। अनुभव वांछनीय। संपर्कः 9993003346.(RO-6611)

रेस्टोरेंट कार्य
आवश्यकता है- रेस्टोरेंट में काम करने के लिए खाना बनाने के लिए शेफ आलराऊंडर, किचन हेल्पर व सर्विस स्टाफ की आवश्यकता है संपर्क - भाठागांव, बस स्टैंड, रायपुर +919131714848.(RO-6615)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य
आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़के व लड़कियों की आवश्यकता है संपर्कः अभिषेक अग्रवाल अरविन्द कार्ड के पास फूल चौक रायपुर छत्तीसगढ़ मो. 9993586600. (RO-6614)
आवश्यकता है- रेडिमेट कपड़े के दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है, सम्पर्क करें - प्रिया ड्रेसेस, चिकनी मंदिर के पास, मालवीय रोड रायपुर मोबाइल 8839050010, 9584000007.(RO-4663)

घरेलू कार्य
आवश्यकता है- सिविल लाइन स्थित बंगले में कार्य हेतु अनुभवी पुरुष स्टाफ की आवश्यकता है। कार्यः खाना बनाना, बर्तन साफ करना, सर्विंग करना, रहने की सुविधा उपलब्ध (24 घंटे)। संपर्कः +91 96444 50780. (RO-27)
आवश्यकता है- रायपुर चौबे कॉलोनी में 3 साल के स्कूल जाने वाले जुड़वा बच्चों को सभालने के लिए युवती/लड़की की आवश्यकता है, कम से कम 1 वर्ष अनुभव आवश्यक, संपर्क करें:- 9425211223. (RO-6610)

इलेक्ट्रीशियन
आवश्यकता है- आईटीआई फिटर और इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है। कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी, रायपुर मो नं. 95893 95294. (RO-0369)

मशीन आपरेटर
आवश्यकता है- गुढियारी पहाडी चौक रायपुर में वायर कटिंग मशीन चलाने हेतु लड़को की आवश्यकता है। रोजी- 500 रू सम्पर्क करें- फाफाडीह चौक BSNL ऑफिस के पास, रायपुर। फोन- 0771- 4095884. (RO-796)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

महिला कुक
आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर में घर में शाकाहारी भोजन बनाने के लिए कुशल महिला की आवश्यकता है। काम करने का समय सुबह 9 से 1 शाम 4 से 7 बजे तक वेतन 8000/- सम्पर्क करें- 9300201654 एवं 8120289207. (RO-6607)

अकाउंटेंट
Requirment- Bhandari Saaj & Associates, Chartered Accountants Office Address: 431, 4th Floor Magneto Offizo, Labhandi, Ripur Contact No: 9827168181. Requirement: 1. Chartered Accountants- Min 2Years Experience in Statutory audits, Income Tax,TDS and GST Compliances, 2. Audit Assistant- Min 2 Year Experience in Accounting, Income Tax TDS and GST Compliances (RO-6612)

नर्सिंग स्टॉफ/आपरेटर
आवश्यकता है - बीएससी नर्सिंग स्टॉफ -4, कंप्यूटर ऑपरेटर -2, (जिसे स्वस्थ बीमा योजना की एंट्री करना आता हो) आवश्यकता है रहने की सुविधा संपर्कः बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009. (RO-843)

मिल कार्य
आवश्यकता है- रायपुरा चौक स्थित तेल मिल मे काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। संपर्क करें- रायपुरा चौक. रायपुर मोबाइल नंबर 8839105162. (RO-398)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्सकर्मी
आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी) में काम करने के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकता है एवं अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-7067048454. (आरो-6609)
आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए (पार्टटाइम / फुलटाइम) सेल्सगर्ल एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। योग्यता 10वीं पास संपर्क करें- समय-10.30 से 01.30 नाहर मेडिकल स्टोर्स सिविक सेंटर, भिलाई 94252-42747 (आरो नं.-243)

सेल्स एक्जीक्यूटिव
Requirment- M.N.FINE CHEM PVT.LTD. BHOPAL Required BUSINESS ASSOCIATES and Sales Executives for Chattisgarh. Products Related to FLOUR/ATTA/BEASON Industries. Person Having Office Infrastructre send Details on Mail at FLOURIM-PROVER@GMAIL.COM Contact Gautam 9425004530 FOR PRODUCTS DETAILS VISIT AT : www.mnbrother.com (RO-49148)

ड्राइवर
आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है लोकल आदमी को प्राथमिकता लाइसेंस पुराना होना चाहिए रायपुर लोकल चलना है ऑटोमेटिक गाड़ी चलाना आता हो एंड्राइड मोबाइल हो संपर्क- मो.- 8319254400, 9329578999, 8319739726. तेलीबांधा रायपुर (RO-187)
आवश्यकता है- अनुभवी कुशल ड्राइवर तेलीबांधा में एवम पेट्रोल पंप में नाइट ड्यूटी स्टाफ देवपुरी में आवश्यकता है। संपर्क- 9826111220. (RO-405)

हरिभूमि

आवश्यकता है- 8 वी १० वी, १२ वाले लड़के / लड़कियों की आवश्यकता है । वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - शिवमपब्लिकेशन , एसबीआई के सामने , तात्यापारा चौक , रायपुर, संपूर्ण बायोडाटा व्हाट्सएप करें 7049254970.(RO-405)

कंप्यूटर आपरेटर
आवश्यकता है- ट्रैक्टर पार्ट्स शॉप में पैकिंग कार्य एवं कंप्यूटर ऑपरेटर हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9826129026, 9303529026. (RO-0370)

खना मिस्त्री/हेल्पर
आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने, बर्तन धोने के वाले चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937.(RO-40372)

Property प्रापर्टी

जमीन
जमीन बेचना है- परसबोड जिला- राजनांदगांव में 6 एकड़ 38 डिसमिल (गोड, ST), घर, 2 बोर, बिजली, फैसिंग है। 20 लाख प्रति एकड़, 5 एकड़ मे तालाब निर्मित बेचना है। संपर्क:-74411-51012 (आरो -10424)

Finance फायनेंस
फाइनेंस - प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 7489545029. (RO-1364)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ASTROLOGY ज्योतिष
ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ
पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोत्ता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।
चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।
तांत्रिक सम्राट डॉ. जे.पी. दुबे
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोटः भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

वैवाहिकी
वर चाहिए
वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करेः- मो.-99261-98299 (240)

वर/वधु चाहिए
वर/वधु चाहिए- 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 7400556967 (10411)

सब कुछ है यहां पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही पेश देय करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

जैकेट के शेष

कवर्धा का विकास ...
स्वास्थ्य के क्षेत्र में 4 करोड़ की सीटी स्कैन मशीन लगाई गई है। जिसका लाभ यहां की जनता को मिलेगा। उन्होंने बताया कि भोरमदेव क्षेत्र में 146 करोड़ रुपए के विभिन्न उन्नयन के कार्य हो रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना से लगभग 50 हजार से अधिक पक्के आवास स्वीकृत हुए हैं और 100 से अधिक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत काम हो रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कावड़ियों के लिए बड़ा डोम भी बनाया जा रहा है। स्थानीय प्रदेश सरकार के साथ ही हम दिल्ली से भी काम लाकर कर करा रहे हैं। वहीं उन्होंने कांग्रेस की पूर्व सरकार को घेरते कहा कि पिछले 5 साल में कोई काम नहीं हुआ। शुगर फैक्ट्री में गन्ने की कमी को लेकर कहा कि ढाई लाख मीट्रिक टन गन्ने का उत्पादन कवर्धा और सवा लाख पंडरिया में हुआ। इस दौरान गुड़ की कई फैक्ट्रियां खुलने से गन्ने की कमी थी। हमने किसानों को समझाया कि यह शुगर फैक्ट्री किसानों की सहकारिता के माध्यम से चलनी चाहिए। हमने किसानों से गन्ना देने अनुबंध कराया।

जनता ने भूपेश ...
मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने चुनाव लड़ने के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि भूपेश ने सब प्रकार का प्रयास किया। इतने फॉर्म उनके खिलाफ भराए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। भूपेश को यहां की जनता ने पराजित कर वापस दुर्ग भेज दिया।

कांग्रेस कार्यकाल में हुआ ...
अभी 2 वर्ष के कार्यकाल में जनता नाखुश है और किसान परेशान हैं।

जंगल से जटिल था ...
ज्यादा कुछ जान पाना कठिन था। इसी खासियत का लाभ उठाते हुए संबंधित राज्यों में सक्रिय नक्सलियों ने भिलाई को अपना ठिकाना बना लिया था। शहर में छिपे नक्सलियों की सुरागसाजी के लिए दुर्ग जिला पुलिस बल ने पूरी ताकत झोंक दी। पुलिस को खबर मिली थी कि नक्सली शहर में प्रवेश कर बड़ी घटनाओं को अंजाम देने वाले हैं। इस बात की पुष्टि तत्कालीन डीजीपी विश्वरंजन ने भी की थी। तत्कालीन एसएसपी ग्रामीण मनीष शर्मा को मुखबिर से सूचना मिली की उत्तर बस्तर मांड डिविजनल कमेटी का सदस्य और इनामी नक्सली नागेश अपने साथियों के साथ जामुल में देखा गया है। जिसमें एक महिला तारा बाई भी है। जानकारी जैसे ही आला अफसरों को दी गई। वहां से सारी रणनीति बनी। कंट्रोल के जरिये पाइंट चलते ही जिले के पुलिस महकमे में हलचल मच गई, पर पुलिस की रणनीति गुप्त रखी गई थी। दुर्ग रेंज के तत्कालीन आईजी आरके विज के निर्देश पर एसपी रहें अमित कुमार ने तुरंत चार पार्टियां बनाई। सभी को नक्सलियों की तलाश में अलग-अलग ठिकाने पर लगाने का निर्देश मिला। सभी पार्टियों की मानिटरिंग का जिम्मा तत्कालीन एएसपी एमएल कोटवानी को सौंपा गया था।

आधी रात जामुल के बोगदा पुलिया में हुई थी मुठभेड़ : जामुल स्थित बोगदा पुल जहां रात 1.30 बजे 17 सदस्यीय पुलिस टीम पहुंची। चारों ओर सन्नाटा दूर-दूर तक पुलिस को कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। महिला नक्सली समेत एक अन्य नक्सली ने पिस्टल निकालकर फायरिंग करना शुरु कर दिया था। फायरिंग करते हुए नक्सली क्वारी माइंस की झाड़ियों की तरफ भागे। नक्सलियों की तरफ से 7 से 8 राउंड फायरिंग किया। पुलिस ने 14 राउंड जवाबी फायर किया। जिसमें तीन गोली पुरुष नक्सली नागेश के पेट, छाती व कमर के पास लगी। वहीं महिला नक्सली तारा बाई के पेट में दो गोली जा धंसी। दोनों नक्सली जमीन पर ढेर हो गए।

इनामी नक्सली था नागेश : पुलिस ने बताया कि डायरी के आधार पर मृत नक्सली को नक्सली नागेश तो मान रही थी पर इसकी पुष्टि नहीं हो पा रही थी। इसके लिए जिला पुलिस ने कोयलीबेड़ा क्षेत्र से एक एसपीओ को बुलाया। ऐसा कहा जा रहा था कि नागेश को सिवाए उस एसपीओ के कोई पहचानता था। एसपीओ ने आकर पुष्टि की कि मृत नक्सली ही नागेश है जो उत्तर बस्तर मांड डिविजनल का सक्रिय सदस्य व 2 लाख का इनामी नक्सली है।

मिले थे जिंदा कारतूस व पिस्टल...
एक डायरी, एक इलेक्ट्रानिक डायरी, एक कंपास, वाकीटाकी, दवा के साथ दैनिक उपयोग का सामान और महिला नक्सली ताराबाई के थैले से पाकेट डायरी, एक कंपास, एक वाकीटाकी, शक्कर, चायपत्ती, मिक्चर, केला, पेस्ट, ब्रश व साबुन बरामद हुआ।

नक्सलियों का मजबूत ...
के अलावा बाहरी व सरकारी कर्मचारियों की पूरी इन्क्वायरी की जाती थी जिसके बाद ही उन्हें अनुमति मिलती थी। आज माड़ का यह पूरा इलाका नक्सलमुक्त होने की कगार पर है। लेकिन इसे नक्सलियों से मुक्त कराने में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों व जवानों की लंबी फेहरिस्त है जिन्होंने अबूझमाड़ की शांति के लिए अपना बलिदान दिया।

149 जवान- अधिकारी हुए शहीद : नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास की स्थापना के लिए अब तक कुल 149 वीर जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। इनमें सर्वाधिक 95 अधिकारी व जवान स्थानीय पुलिस बल के अलावा केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल सीआरपीएफ के 46 व आईटीबीपी के 8 अधिकारी व कर्मी शामिल हैं। इन सभी वीरों का त्याग और समर्पण इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने तथा आम जनजीवन को सुरक्षित बनाने के प्रयासों का आधार रहा है। उनके बलिदान ने अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्र में विकास और विश्वास की राह प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अबूझमाड़ का दण्डकारण्य सुरक्षित ठिकाना : बस्तर क्षेत्र में नक्सली आंदोलन के प्रवेश के बाद से ही अबूझमाड़ का दण्डकारण्य क्षेत्र माओवादियों का एक सुरक्षित ठिकाना माना जाता रहा है। घने जंगल, पहाड़ी और दुर्गम भू-भाग, सीमित संपर्क व्यवस्था तथा विरल आबादी जैसे भौगोलिक कारणों के चलते यह क्षेत्र लंबे समय तक नक्सली गतिविधियों के लिए अनुकूल माना जाता था। इन्हीं परिस्थितियों के कारण सुरक्षा बलों को यहां शांति स्थापित करने के लिए वर्षों तक कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करना पड़ा।

पहली शहादत 1993 में : नारायणपुर क्षेत्र में शहादत की पहली घटना 33 वर्ष पहले 28 नवम्बर 1993 को हुई थी जब उस समय अविभाजित बस्तर जिले के अंतर्गत आने वाले छोटेडोंगर थाना के आरक्षक देव सिंह कोर्राम की हुई। वे नक्सली घटना में टेकनार गांव के पास शहीद हो गए थे। वहीं इस जिले में शहादत की द्वितीय घटना 21 मई 2025 को कोडमेल जंगल में हुई जब बसवराजू मुठभेड़ के दौरान सैनिक गोटलू राम कोर्राम ने वीरगति प्राप्त की। इन दोनों घटनाओं के बीच के वर्षों में अनेक वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर अबूझमाड़ क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

दूसरी बड़ी घटना : जिले में दूसरी बड़ी घटना घटना 29 जून 2010 के दोपहर एक बजे से शाम साढ़े चार बजे के मध्य हुई। जिले के थाना धौड़ाई क्षेत्र के ग्राम कौशलनार-महराबेड़ा के मध्य मुख्य मार्ग पर हुई। थाना धौड़ाई से जिला बल व केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त पुलिस पार्टी अवकाश पर जाने एवं अवकाश से आने वाले जवानों को लेने झाराघाटी की ओर रवाना हुई थी। जवानों को छोड़कर एवं अवकाश से आने वाले जवानों को लेकर पुलिस पार्टी मुख्य मार्ग के दोनों ओर सर्चिंग करते हुये वापस आ रही थी। तभी ग्राम महराबेड़ा एवं कौशलनार के मध्य जंगल एवं नदी में पूर्व से घात लगाये सशस्त्र नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग किया गया। पुलिसपार्टी द्वारा तत्काल पोजिशन लेकर जवाबी कार्यवाही किया गया। इस मुठभेड़ में 27 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान शहीद हुए जबकि 5 जवान गंभीर रुप से घायल हुए थे।

तीसरी बड़ी घटना : 10 जनवरी 2017 को 8:30 बजे ग्राम ईरपानार व कावानार के बीच नदी जंगल किनारे थाना छोटेडोंगर में हुई। गश्त के लिए शासकीय वाहन बारसूर के कैम्प सातधार पहुंचे वहां से रूट चार्ट के मुताबिक पैदल ग्राम गुफा तोंडना तुलार एवं मंगल नदी पहाड़ों का सर्च करते 9 जनवरी को रात्रि होने से ईरपानार के पास वाली पहाड़ी में रात्रि विश्राम किये। इसके बाद 10 जनवरी को ग्राम ईरपानार का सर्च करते ग्राम कावानार की ओर बढ़ रहे थे। सशस्त्र माओवादियों द्वारा घात लगाकर पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दिये। मुठभेड़ के दौरान पुलिस आरक्षक मुनेश्वर मण्डावी शहीद हो गये। मुठभेड़ में नक्सली डीवीसी तिरुपति निवासी महाराष्ट्र के अलावा श्याम यादव निवासी छिंगारी कम्पनी नम्बर 6 का सदस्य, रत्ना मरकाम निवासी बोदागढ़ बस्तर कम्पनी नम्बर 6 का सदस्य तथा मंगल सलाम निवासी ईरपाना मिलिशिया सदस्य को जवानों ने मार गिराया।

चौथी घटना : जिले में चौथी घटना 24 जनवरी 2018 को 10 बजे ओरछा थाना क्षेत्र के ग्राम ईरपानार के पूर्व दिशा में स्थित जंगल पहाड़ में हुई। 23 जनवरी को डीआरजी, एसटीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सल अभियान पर रवाना हुए थे। ग्राम ईरपानार का सर्च करते आगे बढ़ रहे थे कि 200-250 सशस्त्र नक्सलियों द्वारा घात लगाकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग किया गया। पुलिस पार्टी द्वारा भी आत्मसुरक्षार्थ जवाबी फायर किया गया। इस मुठभेड़ में उप निरीक्षक मूलचंद कंवर व विनोद कौशिक आरक्षक देवनाथ पुजारी व रायसिंह मरकाम शहीद हो गये। जबकि आरक्षक रोहित बेसरा, धनकुमार लकड़ा, संतोष कुमार ठाकुर, नव आरक्षक घसिया राम कुमेटी, आरक्षक विजय नेताम, सहायक आरक्षक संजय पटेल, आरक्षक जगेन्द्र उईके, श्रवण मोयर, गोवर्धन कुंजाम, एपीसी जयकरण प्रजापति एवं आरक्षक बृजेश कुमार घायल हो गये।

पांचवी बड़ी घटना : जिले में पांचवी बड़ी घटना 23 मार्च 2021 के दोपहर लगभग 3.50 बजे ग्राम कन्हारगांव एवं कड़ेनार के मध्य ग्राम बुकिनतोर, पुलिया थाना छोटेडोंगर में हुई। स्थानीय सूचना के आधार पर डीआरजी एवं आईटीबीपी की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल अभियान पर रवाना हुई थी। नक्सल गश्त सर्चिंग पश्चात आरओपी पार्टी लगाने के बाद गश्त पार्टी के जवान कैम्प कड़ेमेटा से वापस नारायणपुर के लिये 4 बस एवं 1 छोटी वाहन बैठकर में से वापस मुख्यालय आ रहे थे कि कैम्प कड़ेनार एवं कन्हारगांव के मध्य रोड ग्राम बुकिनतोर पुलियों में पूर्व बस्तर डिविजन मे सक्रिय नक्सलियों द्वारा पुलिस जवानो को नुक्सान पहुंचाने एवं हथियार लूटने की नियत से मार्ग के मध्य आईईडी ब्लास्ट किया गया। इस ब्लास्ट में प्रधान आरक्षक पवन कुमार मंण्डावी, आरक्षक सेवक सलाम, चालक देवकरण देहारी, प्रधान आरक्षक जयलाल उईके, सहायक आरक्षक विजय पटेल शहीद हो गए। वहीं इस हमले में प्रधान आरक्षक नारायण नेताम, रमेश कुमार शोरी, आरक्षक सकेन्द्र नेताम, उमेश कुमार सोरी, मंगलु राम कुमेटी, सोमधर ध्रुव, रमेश कचलाम, नव आरक्षक सोमारू राम गोटा, हिरगु राम मेटामी, संतोष नेताम, सुखलाल पोयाम, सहायक आरक्षक विसम्बर पटेल, प्रेमचंद पात्र, हेमचंद पात्र, हेमेश्वर पात्र, संत कुमार दुग्गा तथा गाईड गोपनीय सैनिक झीराम पावे, लखुराम दोदी, धनसिंग सलाम, सोनू उरसाव, विजेन्द्र कश्यप, जगिया कश्यप व नागेश कश्यप घायल हो गये।

वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण का परिणाम : अबूझमाड़ जैसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास की जो राह आज दिखाई दे रही है वह हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण का परिणाम है। अनेक जवानों ने अपने प्राणों की सर्वोच्च आहुति देकर इस क्षेत्र में विश्वास और स्थिरता की नींव रखी है। उनका बलिदान केवल सुरक्षा बलों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हम सभी का यह दायित्व है कि उनके त्याग को स्मरण रखते हुए अबूझमाड़ को स्थायी शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के संकल्प को और अधिक मजबूत करें। **सुंदरराज पट्टलिंगम,** आईजी बस्तर।

अबूझमाड़ की धरती वीर जवानों की अमर शहादत की साक्षी रही है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और अनेक चुनौतियों के बावजूद सुरक्षा बलों ने हमेशा दृढ़ता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ क्षेत्र में शांति स्थापित करने का प्रयास किया है। इन वीरों का त्याग हमें यह प्रेरणा देता है कि हम समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर विश्वास, संवाद और विकास के मार्ग को आगे बढ़ाएं। उनकी शहादत केवल स्मृति नहीं बल्कि एक संकल्प है कि अबूझमाड़ में शांति और प्रगति की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी। - **रॉबिन्सन गुरिया,** एसपी नारायणपुर।

केन्द्रीय अर्धसैनिक के ...
कुमार साहू, जनरल सिंह, रंजू कुमार साहा, अंजन फूकन, एस रामाराव, तारकेश्वर राय, ध्रुबज्योति दास, तिलकराज, केएच आई सिंघा, पाणू राम नायक, तुषारबराल, नरेन्द्र मोहन झा, सोहेल राणा, आरसी हेमरम, एम कृष्णाराव, पंकज महंती, सुदामाचंद दास, अर्जुन गयारी, गोविंन्द प्रधान, समीर उरांव, पंकज बडीयाल, नीरज कुमार, एल बालरा स्वामी, रामटेके मंगेश, शिव नारायण मीणा, सिंधे सुधाकर, गुरमुख सिंह, राजेन्द्र सिंह, पवार अमर, के राजेश व संतोष त्रिमाली शामिल है।

शहीद सीएफ, डीएसएफ, बस्तर ...
धनीराम उसेण्डी, महेन्द्र सिंह, मंगतूराम पोताई, फिरतूराम बड़दा, पोलिकार्प तिग्गा, सुकमन राम, रामूराम कोर्राम, बिसुन दास कुर्रे, विजय कुमार यादव, रतिराम सिन्हा, पीलूराम नेताम, अशवनी प्रधान, अब्दुल वाहिद खान, बलीराम पोटाई, यामला धरमैय्या, क्लमेट लकड़ा, संतोष शर्मा, जुगबीर सिंह चुरेन्द्र, ऋषिकेश, संतोष पाहरे, ताराचंद निर्मलकर, चंदन सिंह पोर्ते, राजेन कुमार दीवान, सतीश सिंह यादव, बृजेश सिंह संजय सिंह राय, समारू वट्टी, आनंद राठौर, दानसाय सोरी, सोमबहादुर थापा, महेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, पंकज सूर्यवंशी, अथनस बड़ा, अध्वनी राजपूत, पुष्पराज नागवंशी, पूरनसिंह पोताई, भुवनेश्वर मंडावी, संतोष मरकाम, विनोद सिंह कौशिक, मूलचंद कंवर, देवनाथ पुजारी, रायसिंह मरकाम, राजूराम नेताम, जितेन्द्र बघेल, संतू राम वड्डे, केसर सिंह उसेण्डी, जयलाल उइके, पवन कुमार मंडावी, सेवक राम सलाम, देवकरण देहारी, विजय पटेल, सालिकराम मरकाम, संजय लकड़ा, कमलेश कुमार साहू, नितेश एक्का, सत्तेर सिंह करंगा, बिरेंद्र कुमार शोरी, सन्नू कारम व खोटलूराम कोर्राम शामिल है।

बैन के बाद ...
नए नामों के साथ फिर से संचालित होने लगी हैं। आईडी खरीदने से लेकर मोबाइल नंबर के जरिए इन सट्टा वेबसाइट्स पर रजिस्टर किया जा रहा है। वहीं खुले बाजार में भी सट्टा लगाया जा रहा है। हरिभूमि ने जब इंटरनेट पर इन ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट्स की पड़ताल की, तो 20 से अधिक ऐसी वेबसाइट्स गूगल के पहले पेज में मिलीं जिनमें केवल आईपीएल ही नहीं, बल्कि देशभर में हो रहे सभी तरह के खेलों पर सट्टा लगाया जा रहा है। इसके साथ ही, पैसों वाले वो गेम भी इनमें मौजूद हैं जो पहले ऐप्स पर होते थे। सरकार द्वारा उन ऐप्स को बंद किए जाने के बाद अब वे गेम्स वेबसाइट्स पर खेले जा रहे हैं। पड़ताल के दौरान जब हरिभूमि ने इन वेबसाइट्स पर आईडी बनाई, तो चंद सेकंड में ही लॉगिन हो गया। इसमें न तो उम्र पूछी गई और न ही शहर की जानकारी मांगी गई। केवल मोबाइल नंबर या ईमेल के जरिए आईडी बनते ही सीधे मैच पर सट्टा लगाने का विकल्प सामने आ गया। खास बात यह भी है कि आईपीएल को लेकर कई वेबसाइट्स आईडी बनाने पर यूजर्स को बोनस भी दे रही हैं।

50 रुपए में सीधे 100 का मुनाफा : हरिभूमि ने 4**rabet**120.**com**, **baterybets**, 1**webhr** और **luckkudo**.life जैसी ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट्स की भी पड़ताल की, जो इंटरनेट पर बिल्कुल नई हैं। ये वेबसाइट्स मैच शुरू होने से पहले ही लोगों को हर बॉल, ओवर और चौके-छक्के पर सट्टा लगाने का विकल्प दे रही हैं। अन्य वेबसाइट्स की तरह इनमें भी बोनस दिया जा रहा है, जिससे दांव लगाने में छूट मिल रही है। खास बात यह है कि इनमें 50 रुपए लगाने पर 100 रुपए मिलने, यानी सीधे पैसे डबल होने का लालच दिया जा रहा है। साथ ही, मिलने वाला मुनाफा भी पहले ही बता दिया जाता है। हर जीत पर सौ रुपए लगाने पर 2000 रुपए तक का मुनाफा होने का लालच भी दिया जा रहा है। **डोमेन बदलकर और विदेशी सर्वर का इस्तेमाल :** सरकार द्वारा 2025 में लाए गए ऑनलाइन गेमिंग कानून के तहत रियल मनी बेटिंग को प्रतिबंधित किया गया है।

अन्ना रेड्डी अभी ...
इसके लिए वेबसाइट पर एक नंबर भी दिया गया है, जिस पर व्हाट्सएप करके 'वांट मी आईडी' लिखना होता है। हरिभूमि जब इस प्रोसेस में आगे बढ़ी, तो 15 मिनट के बाद उस नंबर से जवाब में एक मैसेज आया कि कम से कम 300 रुपये देने होंगे, जिसके बाद ही आईडी बनाकर दी जाएगी। पैसे भेजने के लिए व्हाट्सएप पर बाकायदा एक क्यूआर कोड भी भेजा गया था।

बिलासपुर में चकरभाठा ...
जरहाभाठा और मगरपारा में पुराने खाइवाल रहें हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद लेकिन खेल अंडरग्राउंड होकर चल रहा है। घुरू अमेरी, दयालबंद, हेमूनगर, यदूनंदन नगर और तिफरा में रोजाना लाखों करोड़ों का सट्टा लगता है। हरिभूमि ने घुरू अमेरी क्षेत्र के एक प्रमुख सट्टेबाज से बात की तो उसने स्वीकार किया की करोड़ों का सट्टा लग रहा है। सट्टे के खेल में पुराने खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं और छात्रों को ज्यादा शामिल किया जा रहा है। इसने बताया कि अब ऑनलाइन साइट पर कई ऐसे ऐप आ गए है जिसके जरिए बुकी के ऐजेंट सट्टा लगाने वालों से रकम लेकर उनकी नई आईडी बनाते हैं और फिर उस आईडी में रकम डालते हैं।

शहर के प्रमुख ...
हरिभूमि- सट्टे का भाव कैसे तय होता है, कौन तय करता है

खाइवाल- सट्टे के भाव को डिब्बे की आवाज बोला जाता है। आईपीएल क्रिकेट में सट्टेबाज 20 ओवर को लंबी पारी, दस ओवर को सेशन और छह ओवर तक सट्टा लगाने को छोटी पारी खेलना कहते हैं। इन पांच ओवरों में खेलने वाली टीम कितने रन बनाएगी और इसके कितने खिलाड़ी आउट होंगे व कौन सा खिलाड़ी कितने रन बनाएगा, सभी पर सट्टा लगा होता है।

हरिभूमि- मैच से पहले ही सट्टे का भाव तय होता है क्या

खाइवाल- मैच की पहली गेंद से लेकर टीम के जीत तक भाव चढ़ते उतरते हैं। एक लाख को एक पैसा, 50 हजार को अठन्नी, 25 हजार को चवन्नी कहा जाता है। यदि किसी ने दांव लगा दिया और वह कम करना चाहता है तो फोन कर एजेंट को 'मैंने चवन्नी खा ली' कहना होता है। टॉस पर भी मोटा सट्टा लगता है।

हरिभूमि- पुलिस पकड़ती नहीं क्या, बचने के लिए क्या करते हो

खाइवाल- सावधानी बरती जाती है कि एक बार कोई मोबाइल नंबर यूज हो गया तो उसे दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जाता। पुलिस की नजर से बचने के लिए दर्जनों मोबाइल फोन रखते हैं। फोन टैप होने के डर से हरेक खिलाड़ी का रेट, जीत हार, कुल स्कोर आदि पर लगने वाले सट्टे के रेट एसएमएस से एक दूसरे को भेजे जाते हैं। इसमें नगद लेनदेन नहीं होता। फोन पर ही काल कर सट्टा लगाया जाता है। मोबाइल वालेट और खाता के जरिए पैसे इधर-उधर किए जाते हैं। बुकी मोबाइल लेकर घर पर बैठा है या कहीं और, यह जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाती।

पूरा नेटवर्क लेपटॉप, मोबाइल पर

चकरभाठा के एक दूसरे खाइवाल ने बताया कि यह पूरा नेटवर्क आधुनिक संचार प्रणाली लेपटॉप, मोबाइल, वाइस रिकार्डर आदि पर ही चल रहा है। सटोरियों ने कोड वर्ड ले रखे हैं, जिसमें चांदी व सोने का क्या भाव चल रहा है आदि शामिल हैं। पुलिस से बचने के लिए सटोरिए हर रोज ठिकाना भी बदल लेते हैं। यही नहीं उन्होंने आगे कारिंदे भी रखे हुए हैं ताकि अगर पुलिस कार्रवाई हो तो वे साफ बचकर निकल जाएं। सटोरियों के तार दिल्ली व मुंबई जैसे बड़े शहरों से जुड़े हुए हैं। जहां से पल-पल की जानकारी मिलती रहती है।

पेज एक के शेष

अपडेट के बाद ई-पॉस मशीनों में स्टॉक हुआ...
यानी अपडेट के दौरान साफ्टवेयर में हुई गड़बड़ी से सभी ई-पॉस मशीनों में दुकानों को आवंटित खाद्यान्न का स्टॉक ही गायब हो गया। इसके कारण 26 से 28 मार्च तक उचित मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को खाली हाथ लौटना पड़ा। हालांकि खाद्य विभाग के रायपुर जिला अधिकारी भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि शनिवार को दोपहर बाद साफ्टवेयर में हुई गड़बड़ी को सुधार लिया गया है, जिसके बाद वितरण का काम जिले में शुरू हो गया है, लेकिन हरिभूमि ने जब कई दुकानों में जाकर पड़ताल की, तो ज्यादातर दुकानदार स्टॉक की प्राप्ति करने की प्रक्रिया में उलझे हुए थे, जिसके कारण वितरण का कार्य लगभग 90 प्रतिशत प्रभावित रहा।

लगभग 23 लाख हितग्राहियों को खाद्यान्न बांटने 3 दिन ही बचे: प्रदेश में 82 लाख 65 हजार 356 कार्ड धारक हैं। इनमें से अब तक लगभग 60 लाख यानी लगभग 70 प्रतिशत से ज्यादा कार्ड धारकों को ही खाद्यान्न बांटा जा सका है। इनमें लगभग 50 प्रतिशत से अधिक हितग्राहियों को शक्कर नहीं मिल पाई है। इधर महीना खत्म होने में अब सिर्फ 3 दिन ही शेष बचे हैं। इन तीन दिनों के भीतर बचे हुए लगभग 23 लाख हितग्राहियों को खाद्यान्न बांटा जाना है, जो विभाग के चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि रायपुर जिले में अब तक 77 प्रतिशत यानी 4 लाख 74 हजार हितग्राहियों को चावल वितरण हो चुका है, वहीं शेष लगभग डेढ़ लाख हितग्राहियों को चावल बांटा जाना बाकी है। शक्कर इस जिले में भी लगभग 50 प्रतिशत हितग्राहियों को ही मिल पाई है।

दुर्ग जिले की 656 राशन दुकानों ...
बाद ओटीपी मोबाइल में आता है लेकिन दूसरी बार ओटीपी कई लोगों का आता ही नहीं। इसलिए इंतजार करने बैठे रहते हैं। मार्च का महीना केवल तीन दिन बाकी है। जिस तरह से सिस्टम की स्लो रफ्तार चल रही है तो इतने कम दिनों में पूरे हितग्राहियों को खाद्यान वितरण होना मुश्किल हो गया है।

बिलासपुर: राशन दुकानों में ...
कारण पूरे प्रदेश की शासकीय उचित मूल्य दुकानों को बंद रखा गया। बिलासपुर जिले में भी अधिकांश दुकानों पर राशन नहीं मिला, जिससे उपभोक्ता परेशान हुए।

यह रही दुकानों की हालत : तालापारा के दोनों शासकीय राशन दुकानों में 100 से अधिक कार्डधारी पहुंचेसुबह से लाइन भी लगाई लेकिन अंत में सर्वर काम नहीं कर रहा बोलते हुए वापस भेज दिया गया। इसी तरह मंगला के अभिषेक नगर स्थित शासकीय दुकान में सुबह चार घंटे में ही करीब 100 राशनकार्डधारी पहुंचे। पांच दिनों से राशन नहीं मिलने से लोग बड़ी उम्मीद से पहुंचे, जिनमें बुजुर्ग महिलाएं भी शामिल थीं। तपती धूप में अपनी बारी का इंतजार कर रहे लोगों को दुकानदार ने सर्वर डाउन होने की जानकारी देते हुए दुकान बंद कर दी। इसी तरह वेयर हाउस रोड में सुबह देर से दुकानें खुलीं और बाद में दोपहर में ताला लग गया। इसी तरह मुंगेली नाका स्थित उचित मूल्य दुकान रोज की तरह सुबह 10:30 बजे की बजाय देर से खुला। कार्डधारियों को यहां से राशन तो मिला लेकिन जो बाद में पहुंचे, उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। गोंड़पारा की दो उचित मूल्य की दुकानें दोपहर में बंद रहीं।

65 फीसदी को नहीं मिला राशन ...
जिसके कारण चार दिनों तक राशन थोडी परेशानी आई है, लेकिन जल्द ठीक हो जाएगा। गरियाबंद के जिला खाद्य अधिकारी अरविंद पांडेय ने बताया कि जिले में 70 प्रतिशत राशन का वितरण किया जा चुका है। बाकी को भी जल्द दे दिया जाएगा।

ऊर्जा संकट के बीच बुरी खबर...
बताया कि तेल रिफाइन कीमतें मार्च 2025 के स्तर के अनुरूप बनी हुई हैं, जिससे घरेलू आपूर्ति स्थिर बनी रहेगी।
रूस का कहना है कि उसने यह फैसला घरेलू मांग को पूरा करने के लिए लिया है, ताकि गैस ओर डीजल का पर्याप्त भंडार बना रहे और घरेलू स्तर पर इंडस्ट्री की मांग में भी कमी ना हो।

सीएम साय की दो टूक, गैस सिलेंडर की ...
आमजन तक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पतालों, छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे, भारत सरकार की संस्थाओं, सैन्य एवं अर्धसैनिक बलों, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थानों और एयरपोर्ट कैंटीनों में गैस आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी गैस, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व के कारण कोविड जैसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में भी देश एकजुट रहा और सफलतापूर्वक उसका सामना किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कोविड जैसी स्थिति नहीं है, लेकिन सतर्क रहना आवश्यक है। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों, गैस सिलेंडरों और उर्वरकों की कोई कमी नहीं है, नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

भोपाल में होगा तीन राज्यों ...
को उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में पहले दिन 'लोकतंत्र और नागरिकों की भागीदारी को मजबूत करने के लिए युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर मंथन होगा। इसी दिन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी युवा विधायकों को संबोधित करेंगे।

एक्शन में बालेन, नेपाल के पूर्व पीएम ...
को देश के पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को गिरफ्तार कर लिया गया। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई नवगठित मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का फैसला किया गया था।

जेल वार्ड में कैदी को घर का खाना, ...
कराई जा रही है। इस मनमानी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। शिकायत के बाद जेल वार्ड के आकस्मिक निरीक्षण पर पहुंचे जेल अधीक्षक ने दो प्रहरियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और अब मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली जाकर भाजपा के पूर्व विधायकों ने थामा 'हाथ'

एजेंसी ▶▶| देहरादून

कांग्रेस पार्टी में बड़ी राजनीतिक जॉइनिंग देखने को मिली, जहां कांग्रेस मुख्यालय नई दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता के बाद कई नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया, जिसके बाद सदस्यता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान रुद्रपुर से 2 बार के विधायक राजकुमार ठुकराल, भीमताल से चर्चित चेहरा लखन सिंह, घनसाली से भाजपा विधायक रहे भीम लाल आर्य, मसूरी के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनुज गुप्ता और सितारगंज से 2 बार के विधायक नारायण पाल ने कांग्रेस का दामन थामा. वहीं, भाजपा से रुड़की के पूर्व मेयर गौरव गौयल भी कांग्रेस में शामिल हुए। कार्यक्रम में उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी ने सभी नेताओं को पटका पहनाकर सदस्यता दिलाई। इस मौके पर सीडब्लूसी सदस्यों समेत उत्तराखंड कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

उत्तराखंड की सियासत में बड़ा उलटफेर

पूर्व सीएम हरीश रावत क्यों हैं नाराज? : इसके साथ ही सूत्र यह भी बताते हैं कि एक व्यक्ति के कांग्रेस में शामिल न होने से नाराज हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। बताया जा रहा है कि रामनगर से निर्दलीय विधायक का चुनाव लड़ चुके संजय नेगी कांग्रेस में शामिल होते-होते रह गए, जिन्हें हरीश रावत का करीबी माना जाता है।

यह कहा भाजपा अध्यक्ष ने

उधर, उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अब चार लोगों की पार्टी बनकर रह गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चाहे देहरादून में ज्वाइनिंग हो या दिल्ली में, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पहले आरोप लगाती थी कि भाजपा के पास लोग नहीं हैं और कांग्रेस के नेताओं को मंत्री बनाया गया, लेकिन अब वही कांग्रेस भाजपा से निकले नेताओं को दिल्ली में सदस्य बना रही है।

तेल-गैस की सप्लाई टूटेगी नहीं, खाड़ी में फंसे हर भारतीय की हरसंभव 'मदद'

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के बाद पश्चिम एशिया में बिगड़े हालात और उसके भारत पर पड़ने वाले संभावित असर के मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की बैठक बुलाई। इसमें तेल व गैस की निगरानी और उसकी उपलब्धता पर बात हुई। साथ ही, तय किया गया कि देश में तेल व गैस की सप्लाई को अबाध रखा जाएगा। इसके अलावा खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीयों की हरसंभव मदद की जाएगी। बैठक में होर्मुज के रास्ते से आ रहे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही और ईरान सरकार से समनव्य को लेकर भी मंथन हुआ। एलपीजी का लगभग 85-95 प्रतिशत और गैस का 30 प्रतिशत होर्मुज स्ट्रेट से आता है। हालांकि, कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों से आंशिक रूप से की गई है, लेकिन औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को गैस और एलपीजी की आपूर्ति में कटौती बरकरार है। गौर हो कि कि इससे पहले शुक्रवार को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्रियों और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की थी।

आम सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री अनिषेक सुराणा पिता श्री महावीर सुराणा पता नेहरू नगर भिलाई, छत्तीसगढ़ की स्वार्जित भूमि जिसका खसरा क्रमांक 15 / 5, ग्राम- पिसेगाँव पटवारी, हल्का नंबर- 00025, राजस्व निरीक्षक मंडल- अंजोरा (ख) में स्थित है, जिसके संदर्भ पर सूचना मालूम होयें की खसरा क्रमांक 14/1 एवं 15/1 ग्राम- पिसेगाँव पटवारी, हल्का नंबर- 00025, राजस्व निरीक्षक मंडल- अंजोरा (ख) की भूमि मेरे पक्षकार की भूमि के रकबे से प्रभावित हो रही है। उक्त भूमि स्वामी गिरीश टाँक द्वारा मेरी निजी भूमि को आम रास्ता बता कर लोगों को गुमराह कर विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ पर उक्त विवादित भूमि खसरा 14 / 1 एवं 15/1 का वाद प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में लंबित है।
अतः यह आम सूचना के माध्यम से ताकीत किया जाता है की खसरा क्रमांक 14/1 एवं 15 / 1 ग्राम पिसेगाँव, पटवारी हल्का क्रमांक- 00025, राजस्व निरीक्षक मंडल- अंजोरा (ख) को खरीदी बिक्री ना करे एवं व्यर्थ के कानूनी विवाद से बचें अन्यथा उपरोक्त भूमि पर खरीदार को कोई स्वत्व व हक प्राप्त नहीं होगा एवं उसे भी न्यायालय में पक्षकार के रूप में संयोजित किया जावेगा।
तदानुसार आम सूचना प्रकाशित किया जा रहा है।
स्थान :- धमतरी
तारिक : 27/03/2026

राहुल चोपड़ा अधिवक्ता
(भारत का सर्वोच्च न्यायालय)
ऑफिस पता :- रतन विला राम बाग
धमतरी छत्तीसगढ़। मो.: 9340900009

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में OHE की विश्वसनीयता में सुधार
निविदा क्रमांक: TRD_NAG_TENDER_25-26_39R दिनांक: 23.03.2026
कार्य का नाम: नागपुर मंडल में OHE की विश्वसनीयता में सुधार हेतु जी जम्पर / आइसोलेटर जम्पर को 160 वर्ग मिमी जम्पर से बदलकर, ट्रैक सर्किटेड बॉन्ड्स का पुनर्वास, पुराने ड्रॉपर का प्रतिस्थापन, संशोधित RRA पर डबल कॉन्टैक्ट की व्यवस्था तथा कैटेनेरी सस्पेंशन क्लैम्प के अंदर थिम्बल की व्यवस्था।
IRPSM No.: 13.02.36.25.3.51.010
निविदा मूल्य: ₹ 2,39,62,231/-
बयाना राशि: ₹ 2,69,800/-
ऑफर ऑन-लाइन जमा करने की अंतिम तिथि: दि. **14.04.2026** के **15:00** बजे तक।
उपरोक्त निविदा की अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।
मंडल विद्युत अभियंता - टीआरडी, द.पू.म. रेलवे, नागपुर
AIM/86-375
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
क्रम सं (1): ई- निविदा संख्या: डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-18-26-27, दिनांक: 26.03.2026
कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर में शिवनाथ ऑफिसर्स रेस्ट हाउस का सुधार कार्य।
निविदा मूल्य (रु): 3,59,80,302.70 **अमानत राशि (रु):** 7,19,600.00 **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 **निविदा जमा की आरंभ तिथी:** दिनांक 07-04-2026 **निविदा जमा की अंतिम तिथी :** 21.04.2026 को 11.00 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)/BSP
सीपीआर/10/AM/789 **द.पू.म.रेलवे बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.
रा.प्र.क्र 202601100900034 ब/121 वर्ष 2025-26
// ईश्तहार //
एतद द्वारा श्री फलेन्द्र वर्मा पिता स्व. नरसिंग वर्मा निवासी सांकरा तहसील पाटन, श्रीमती आकांक्षा चन्द्राकर पति विरेन्द्र कुमार चन्द्राकर निवासी ग्राम फुण्डा तहसील पाटन, विरेन्द्र कुमार पटेल पिता धनपाल पटेल, निवासी चंगोराभाठा रायपुर, विनोद धुरन्धर पिता चैतराम धुरन्धर निवासी रवि नगर रायपुर (छ.ग.) को सुचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका सीमा अग्रवाल पति मुकेश अग्रवाल निवासी ग्राम रामकुंज अग्रसेन रोड रायपुर द्वारा फलेन्द्र वर्मा पिता स्व. नरसिंग वर्मा अन्य 04 के विरूद्ध माननीय व्यवहार न्यायालय भिलाई 03 जिला दुर्ग छ.ग. के निर्णय एवं डिक्री व्यवहारवाद क्रमांक 08अ/2024 निर्णय दिनांक 30. 08.2025 के आधार पर अनावेदकगणों का नाम विलोपित कर आवेदक के नाम पर दर्ज किये जाने प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में श्री फलेन्द्र वर्मा पिता स्व. नरसिंग वर्मा निवासी सांकरा तहसील पाटन, श्रीमती आकांक्षा चन्द्राकर पति विरेन्द्र कुमार चन्द्राकर निवासी ग्राम फुण्डा तहसील पाटन, विरेन्द्र कुमार पटेल पिता धनपाल पटेल, निवासी चंगोराभाठा रायपुर, विनोद धुरन्धर पिता चैतराम धुरन्धर निवासी रवि नगर रायपुर (छ.ग.) को सुचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि उक्त संबंध में प्रकरण में सुनवाई तिथि 30.03.2026 को उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10.03.2026 को जारी किया जाता है।
मुहर
तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

पूर्व तट रेलवे
सामग्रियों की आपूर्ति
निविदा सं. 30265447, दिनांक: 24.03.2026
कार्य का नाम : BD/KRDL के लिए स्पेयर के साथ हाइड्रोलिक री-रेलिंग उपकरण (कन्ट्रोल टेबल, रोलर कार्ट्रिज एवं ट्रैवर्सिंग जैक के साथ पेट्रोल इंजन से चलने वाला हाइड्रोलिक पावर पैक) की आपूर्ति एवं शुरुआत, विनिर्देश अनुलग्नक-A अथवा नविनतम के अनुसार, निर्माता-BEMCO/ LUKAS/FRANCIS KLEIN अथवा ART के लिए प्रतिष्ठित अनुरूप ब्रांड, मात्रा : 01 सेट।
(वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने), TPI द्वारा निरीक्षण।
द्रष्टव्य : सामग्री 30 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 23.04.2026 को 1500 बजे।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-1276/Q/25-26

शब्द पहेली - 6179

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6178 का हल

सूडोकु नवताल - 6189

★☆☆☆☆ सरल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 6188 का हल

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने

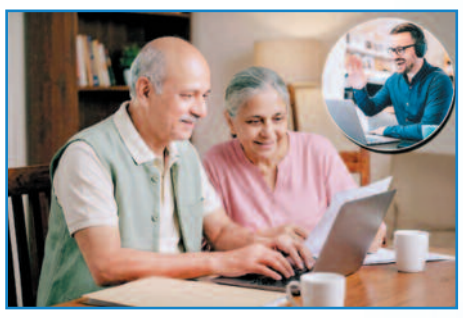

वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से

अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

व्यंग्य / राजा चौरसिया

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

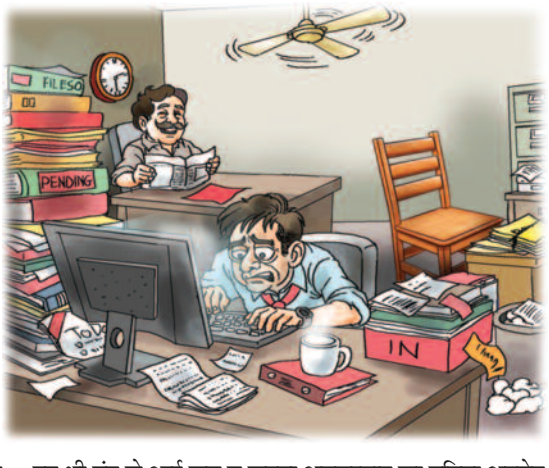

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@.

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मेरे लिखने की मेज

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

खबर संक्षेप

इंजरी के कारण दो हफ्ते नहीं खेल सकेंगे धोनी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने यह जानकारी दी। सीएसके ने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है।' धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वह आईपीएल की शुरुआत से ही इस टीम से जुड़े हुए हैं।

ह्यूस्टन ओपन : थीगाला का शानदार प्रदर्शन, 11वें स्थान पर पहुंचे

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहित थीगाला ने टेक्सास चिल्ड्रन्स ह्यूस्टन ओपन के दूसरे दौर में लगातार तीन अंडर 67 का कार्ड खेला, जिससे वह कुल छह अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर बने हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय मूल के एक अन्य खिलाड़ी सुदर्शन येल्लामराजू (69-66) संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर हैं। वहीं अमेरिकी ओपन के पूर्व चैंपियन गैरी वुडलैंड (64-63) ने बढ़त बना हासिल कर ली। पहले दिन शीर्ष पर चल रहे पॉल वारिंग एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर खिसक गए।

एमसीए संग्रहालय में स्मारक पट्टिका का अनावरण

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पॉली उमरीगर की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में बीसीसीआई और आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार ने एमसीए संग्रहालय में एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। यह पट्टिका उस दिग्गज बल्लेबाज के सम्मान में लगाई गई है, जिन्होंने 1948 से 1962 के बीच 59 टेस्ट मैच खेले और उनमें से आठ में भारत की कप्तानी की। उन्होंने एक क्रिकेटर और एक प्रशासक दोनों के रूप में खेल की सेवा की। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ' भारतीय क्रिकेट में पॉली उमरीगर का योगदान वास्तव में अमूल्य है और उनकी जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी विरासत का सम्मान करना हमारा सौभाग्य है।'

मोंटेकार्लो मास्टर्स नहीं खेलेंगे जोकोविच, नाम लिया वापस

मोनाको। नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, ' हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।' इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे।

सनराइजर्स को 6 विकेट से हराया, ईशान किशन की पारी पर फिरा पानी

कोहली-पडिक्कल की तूफानी फिफ्टी, आरसीबी ने की धमाकेदार जीत से सीजन की शुरुआत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन (आईपीएल 2026) के उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 6 विकेट से हराकर सीजन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। आरसीबी की जीत में विराट कोहली और देवदत्त पड्डिकल के तूफानी अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एसआरएच से मिले 202 रन के लक्ष्य को आरसीबी ने 15.4 ओवर में 4 विकेट पर 203 रन बनाकर हासिल कर लिया। आरसीबी के लिए विराट कोहली और देवदत्त पड्डिकल ने तूफानी अर्धशतक लगाया।

पड्डिकल ने 26 गेंदों में खेली 61 रन की पारी

इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे पड्डिकल ने मात्र 26 गेंदों पर 4 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली और विराट के साथ दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 101 रन की अहम साझेदारी की। विराट 38 गेंदों पर 5 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान रजत पाटीदार ने 12 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 31 रन की पारी खेली। साल्ट 8 रन बनाकर आउट हुए। जितेश शर्मा शून्य पर आउट हुए। टिम डेविड 10 गेंद पर 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

एसआरएच की शुरुआत रही खराब

इससे पहले एसआरएच ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 201 रन बनाए थे। एसआरएच की शुरुआत खराब रही थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 7 और ट्रेविस हेड 11 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर आए नितीश रेड्डी भी 1 रन बना सके। 29 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी एसआरएच को कप्तान ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की। क्लासेन 22 गेंदों पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से 31 रन बनाए। ईशान किशन 38 गेंदों पर 5 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 80 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इन दोनों के अलावा सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए अनिकेत वर्मा ने 18 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्के की मदद से 43 रन की पारी खेली। अनिकेत की पारी की वजह से ही एसआरएच 200 के पार पहुंच सकी। आरसीबी के लिए जैकब डफी और रोमारियो शेफर्ड ने 3-3, जबकि भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और सुयश शर्मा ने 1-1 विकेट लिए थे।

ईशान ने 27 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक

ईशान किशन ने अपना अर्धशतक सिर्फ 27 गेंदों पर चौके के साथ पूरा किया और वो इस सीजन में अर्धशतक लगाने वाले पहले बैटर भी बने। इशान ने काफी आसानी से टीम के लिए रन जुटाए। किशन ने इस मैच में 38 गेंदों पर 80 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 5 छक्के और 8 चौके भी लगाए।

बतौर कप्तान बनाया बड़ा रिकॉर्ड

ईशान किशन हैदराबाद के लिए बतौर कप्तान डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बैटर बन गए है। हैदराबाद के लिए बतौर कप्तान डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड मनीष पांडे के नाम पर दर्ज था, जिन्होंने साल 2021 में मुंबई के खिलाफ 41 गेंदों पर नाबाद 69 रन की पारी खेली थी, लेकिन किशन अब 80 रन बनाकर उनसे आगे निकल गए।

किशन ने तोड़ा राहुल का रिकॉर्ड

ईशान किशन ने आरसीबी के खिलाफ अपनी पारी के दौरान आईपीएल में 3000 रन भी पूरे कर लिए। यही नहीं ईशान आईपीएल में सबसे कम गेंदों पर 3000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर पहुंच गए और केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ने में भी सफल रहे। ईशान ने आईपीएल में 3000 रन 2180 गेंदों पर पूरे किए जबकि केएल राहुल ने ये कमाल 2203 गेंदों पर किया था। राहुल 7वें नंबर पर खिसक गए।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
ट्रेविस हेड का साल्ट बो डफी	11	9	2	0
अभिषेक शर्मा का शर्मा बो डफी	7	8	0	1
ईशान का साल्ट बो अभिनंदन	80	38	8	5
रेड्डी का अभिनंदन बो डफी	1	6	0	0
क्लासेन का साल्ट बो शेफर्ड	31	22	2	1
अरोड़ा का पडिक्कल बो सुयश	9	6	0	1
अनिकेत वर्मा का कोहली बो शेफर्ड	43	18	3	4
हर्ष दुबे का पडिक्कल बो शेफर्ड	3	3	0	0
हर्षल पटेल का पडिक्कल बो कुमार	0	2	0	0
डेविड पेन नाबाद	6	5	0	0
जयदेव उनादकट नाबाद	4	3	0	0
अतिरिक्त : 6 रन, योग : 20 ओवर में 201/9 रन				
गेंदबाजी : डफी 4-0-22-3, भुवनेश्वर 4-0-31-1, अभिनंदन 3-0-38-1, शेफर्ड 4-0-54-3, सुयश 3-0-28-1, कृणाल 2-0-26-0				
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
फिल साल्ट का क्लासेन बो उनादकट	8	7	2	0
विराट कोहली नाबाद	69	38	5	5
पडिक्कल का क्लासेन बो दुबे	61	26	7	4
रजत पाटीदार का दुबे बो पेन	31	12	2	3
जितेश शर्मा का उनादकट बो पेन	0	1	0	0
टिम डेविड नाबाद	16	10	1	1
अतिरिक्त : 18 रन, योग : 15.4 ओवर में 203/4 रन				
गेंदबाजी : रेड्डी 2-0-19-0, उनादकट 3-0-29-1, पेन 3-0-35-2, दुबे 3-0-35-1, मलिंगा 2-0-35-0, पटेल 2.4-0-39-0				

फुटबॉल

स्पेन ने सर्बिया को हराया ओयार्जाबेल ने दागे 2 गोल

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपने आखिरी तैयारी मुकाबलों में से एक में सर्बिया को 3-0 से मात दी। मिकेल ओयार्जाबेल जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। उनके अलावा, विक्टर मुनोज ने एक गोल का योगदान दिया। ओयार्जाबेल का पहला गोल 16वें मिनट में आया। यह टीम के शानदार तालमेल के बाद गोल के सामने से लगाया गया एक शॉट था। वहीं, उनका दूसरा गोल हाफ-टाइम से ठीक पहले आया।

यह काफी दूर से लगाया गया एक जोरदार शॉट था, जिसने सर्बिया के गोलकीपर वान्या मिलिंकोविक-साविक को बचाव का कोई मौका ही नहीं दिया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी उनाई साइमन को ही सौंपी, जबकि एफसी बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया था, स्टैंड्स में बैठे रहे। रोड्री ने सेंट्रल मिडफील्ड में मार्टिन जुबिमेंडी से आगे शुरुआत की, जबकि सेंट्रल डिफेंस में आयमेरिक लापोर्टे और पाउ कुबारसी थे। राइट-बैक पर मार्कोस लोरेंटे और स्पेन के अटैक के दाईं ओर लामिन यामल खेले।

लामिन यामल ने ओयारजाबाल के शुरुआती गोल के कुछ मिनट बाद ही क्रॉसबार पर शॉट मारा, क्योंकि स्पेन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान विक्टर मुनोज ने दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरकर अपना डेब्यू किया।

विक्टर मुनोज को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल करने में ज्यादा समय नहीं लगा और उन्होंने 72वें मिनट में फेरान टोरेस के बैक-हील असिस्ट पर शानदार फिनिश करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया।

सिनर की फाइनल में एंट्री, 'सनशाइन डबल' के खिताब से बस एक कदम दूर!

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने एक साल पहले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब इटली का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने और 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के करीब है। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव पर 6-3, 7-6 (7-4) से जीत हासिल करके मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

मियामी ओपन : ज़्वेरेव को हराया, अब मुकाबला लेहेका से

अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य : सिनर

सिनर ने कहा, 'यहां आकर अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य था। मेरे लिए दोबारा फाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह शानदार सफर रहा है और मैं बहुत खुश हूं।'

यानिक ने फोरहैंड विनर के साथ हासिल किया ब्रेक

सिनर को शुरुआती सेट के तीसरे गेम में एक 'ब्रेक प्वाइंट' बचाना पड़ा था, लेकिन उसने तुरंत जवाब दिया, अपनी आक्रामकता बढ़ाई और ज्वेरेव की पहली-सर्व की प्रभावशीलता में आई थोड़ी सी कमी का फायदा उठाते हुए, एक जोरदार फोरहैंड विनर के साथ एक ब्रेक हासिल किया और 3-1 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट में, ज्वेरेव ने अपनी तीव्रता बढ़ाई और अहम पलों पर मजबूती से डटे रहे, खासकर तब जब उन्होंने 4-4, 15/40 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट्स को बचाया। फिर भी सिनर शांत रहे, लगातार अपनी सर्व बचाते रहे, और मैच को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां, मैच का रुख सिनर के पक्ष में तब मुड़ा जब ज्वेरेव ने एक ओवरहेड शॉट को ठीक से नहीं मारा, जिसके बाद सिनर ने 5/4 की बढ़त बना ली, और अंततः इस इतालवी खिलाड़ी को बढ़त मिल गई।

तेजस्विन ने की डेकाथलॉन सत्र में जीत से शुरुआत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के टेक्सास में डेविड नोबल रिले 2026 एथलेटिक्स मीट में हवा की मदद से 7947 अंक का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाकर अपने डेकाथलॉन सत्र की शुरुआत जीत से की। शंकर हालांकि 8000 अंक से 53 अंक पीछे रह गए।

टेक्सास में शंकर का प्रदर्शन उनके ही नाम दर्ज राष्ट्रीय रिकॉर्ड (7826 अंक) से बेहतर था, जो उन्होंने पिछले साल पोलैंड में बनाया था। लेकिन अत्यधिक अनुकूल हवा (टेल विंड) के कारण विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार यह प्रदर्शन नए रिकॉर्ड के रूप में दर्ज नहीं किया गया। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के मुताबिक डेकाथलॉन में रिकॉर्ड तभी मान्य होता है जब 100 मीटर, लंबी कूद और 110 मीटर बाधा दौड़ में औसत हवा की मदद +2.0 मीटर प्रति सेकंड से अधिक नहीं हो। टेक्सास मीट में 100 मीटर (+4.7 मीटर प्रति सेकंड) और लंबी कूद (+4.5 मीटर प्रति सेकंड) में हवा की गति निर्धारित सीमा से काफी अधिक थी।

आंध्र प्रदेश महिला टीम बनी बधिरों की टी10 नेशनल चैंपियन

डी. कंथम्मा बनीं प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

आंध्र प्रदेश की महिला टीम ने दिल्ली की टीम को एक रोमांचक मुकाबले में पांच रन से हराकर बधिरों की सातवीं आईडीसीए महिला टी10 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीता।

आंध्र प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 73 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली की टीम चार विकेट पर 68 रन ही बना पाई। आंध्र प्रदेश की डी. कंथम्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार हासिल किए। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का समर्थन प्राप्त है। यही नहीं वह अंतरराष्ट्रीय बधिर क्रिकेट परिषद और एशियाई बधिर क्रिकेट संघ से मान्यता प्राप्त है। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि इस टूर्नामेंट से वर्षों से लगातार होनहार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

रविवार से साइप्रस में शुरू होगा कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

ओपन वर्ग में प्रज्ञाननंदा के सामने कड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| पाफोस

आठ खिलाड़ियों की एलीट प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा को रविवार से शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश का सामना करेगा। इस टूर्नामेंट में आठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो डबल राउंड-रॉबिन प्रारुप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी अन्य सभी प्रतिभागियों का दो बार सामना करेगा और सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के लिए गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल करेगा।

प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि 10 लाख डॉलर

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 9 करोड़ 49 लाख रुपए) है, जिसमें से सात लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग छह करोड़ 65 लाख रुपए) ओपन वर्ग के लिए और तीन लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग दो करोड़ 85 लाख रुपए) महिला वर्ग के लिए हैं।

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर कारुआना प्रबल दावेदार

हाल के प्रदर्शन को देखते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना प्रबल दावेदार नजर आते हैं लेकिन उनके हमवतन हिकारु नाकामुरा का दावा भी मजबूत है, जिन्होंने अपनी रेटिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी भी अच्छी फॉर्म में हैं और उन पर नजर रखने की जरूरत है। अगर उनकी लय कायम रहती है, तो वह मजबूत दावेदार साबित होंगे। चीन के वेई यी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव तथा एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य चार खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं।

दिव्या पर होंगी सबकी निगाहें

भारतीय खिलाड़ियों में सबकी निगाहें दिव्या देशमुख पर होंगी, जिन्होंने 2025 में महिला विश्व कप जीता था। आर वैशाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह साहसिक फैसले करने के लिए जानी जाती हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य जीत हासिल करना होता है। ऐसे में उनकी दावेदारी को कम करके नहीं आंका जा सकता है। झू जिनर भी एक ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी कड़ी चुनौती देने के लिए जानी जाती हैं। बिबिसारा असाउबायेवा ने भी खुद को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया है।

बांग्लादेश में देख सकेंगे आईपीएल, हटाया बैन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्रसारण के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवनियुक्त सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सीजन के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है।

जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। हम इसे एक व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे। अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने बताया था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाए जाने के बाद इसके संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे। जब स्वपन से पूछा गया कि क्या स्टार स्पोर्ट्स आईपीएल का प्रसारण कर सकता है, तो स्वपन ने ऐसा होने के संकेत देते हुए कहा, हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे।

दुनिया की सबसे जहरीली चीटियाँ जिनके काटते ही इंसान की हो सकती है मौत

दुनिया में हैरान कर देने वाले जीवों की भरमार है। कुछ देखने में बहुत शानदार लगते हैं, तो कुछ इतने डरावने होते हैं कि उन्हें देखकर ही किसी की भी रूह कांप जाए। हालाँकि, प्रकृति में, जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं। उदाहरण के लिए, छोटी-छोटी चींटियों को ही ले लीजिए।

बुलडॉग चींटी : मौत का दूसरा नाम बुलडॉग चींटी

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दुनिया की सबसे खतरनाक चींटी है। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाई जाने वाली इस चींटी की लंबाई लगभग 1.5 इंच तक हो सकती है। अपने काले शरीर और लाल-नारंगी पेट वाली ये चींटियाँ इतनी जानलेवा होती हैं कि इनके काटने के महज़ 15 मिनट के अंदर ही किसी इंसान की मौत हो सकती है। आँकड़ों के मुताबिक, 1988 से अब तक इस चींटी ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है।

जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं

हरी पेड़ वाली चींटी : स्वाद और डर का अनोखा मेल

इन्हें 'एशियाई वीवर चींटियों' के नाम से भी जाना जाता है। ये पेड़ों की ऊँची डालियों पर अपनी बस्तियाँ बनाती हैं, और एक ही बस्ती में 500,000 तक चींटियाँ रह सकती हैं। ये बहुत ही दर्दनाक डंक मारती हैं; लेकिन, दिलचस्प बात यह है कि कई इलाकों में लोग इन्हें बड़े चाव से खाते हैं, क्योंकि इन्हें प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

बुलहॉर्न अकेशिया चींटी : छोटा पैकेट, बड़ा धमाका

मध्य अमेरिका में पाई जाने वाली यह चींटी भले ही आकार में छोटी हो, लेकिन इसका डंक किसी ततैया के डंक जितना ही जोरदार होता है। यह इतनी आक्रामक होती है कि इसके काटने से इंसानों में एनाफाइलैक्टिक शॉक हो सकता है एक ऐसी स्थिति जो जानलेवा भी साबित हो सकती है।

फ्लोरिडा हार्वेस्टर चींटी: स्वाभिमानी लड़ाकू

ये चींटियाँ मुख्य रूप से बीज इकट्ठा करती हैं और बिना उकसाए किसी पर हमला नहीं करतीं। हालाँकि, अगर इन्हें बेवजह उकसाया जाए या इनके घोंसले को छेड़ा जाए, तो ये आपको डंक मारने में जरा भी नहीं हिचकिचाएँगी। इनके काटने से शरीर में तेज जलन वाला दर्द और भयंकर सूजन हो जाती है।

बुलेट चींटी : गोली लगने जैसा दर्द

इस चींटी को बुलेट चींटी नाम इसलिए मिला, क्योंकि इसके डंक से होने वाला दर्द ठीक वैसा ही महसूस होता है, जैसा गोली लगने पर होता है। अगर 1.2 इंच लंबी यह लाल-काली चींटी किसी को काट ले, तो पीड़ित को 24 घंटे तक असहनीय दर्द झेलना पड़ता है। इसका जहर कई गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकता है, जैसे कि सूजन, दिल की धड़कन का तेज़ होना, और यहाँ तक कि मल में खून आना।

रोचक खबरें

शादी में दूल्हा या पावर हाउस? दूल्हे को ऐसे लिबास में देखकर यूजर्स रह गए दंग

शादियों में, दूल्हे का स्टाइल हमेशा सबका ध्यान खींच लेता है। कुछ लोग घोड़ी पर सवार होकर शाही अंदाज़ में एंट्री करते हैं, तो कुछ लग्ज़री कार में अपनी बारात लेकर निकलते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर आजकल एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक दूल्हे का अनोखा स्टाइल देखकर लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो रहे हैं। इस वीडियो में दूल्हे ने जो कपड़े पहने हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो लोगों के सामने अचानक कोई चलता-फिरता लाइटिंग सिस्टम आ गया हो।

दूल्हे के कपड़ों ने लूटी सारी लाइमलाइट : इस वायरल वीडियो में, दूल्हा अपनी बारात के दौरान ऐसे कपड़े पहने नज़र आ रहा है जो पूरी तरह से एलईडी लाइट्स से सजे हुए हैं। उसके कपड़ों, कंधों और सिर पर लगातार चमकने वाली रंग-बिरंगी लाइट्स लगी हुई हैं। जैसे-जैसे दूल्हा बारात के बीच चलता है, उसके शरीर पर लगी लाइट्स दूर से ही साफ दिखाई देती हैं। सचमुच, ऐसा लगता है जैसे कोई चलता-फिरता सजावटी सामान सड़क पर उतर आया हो।

लोगों को याद आया बिजली विभाग : दूल्हे के इस जगमगाते पहनावे को देखकर सोशल मीडिया यूज़र्स अपनी हंसी रोक नहीं पा रहे हैं। कई लोग मज़ाक में कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है जैसे दूल्हा बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर बारात में आया हो। कुछ यूज़र्स ने तो यह भी मज़ाक किया कि अगर शादी के दौरान बिजली चली जाए, तो दूल्हे को बस स्टेज पर खड़ा कर देना चाहिए वह अकेले ही पूरी रोशनी का इंतज़ाम कर देगा! लोग अक्सर शादियों में अपनी एंट्री को सबसे अलग और यादगार बनाने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग खास डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचते हैं, तो कुछ अनोखे कपड़े पहनकर ऐसा करते हैं। लेकिन, इस दूल्हे का तरीका तो सबसे हटके है। उसने अपने कपड़ों को इतना ज़्यादा चमकदार बना लिया है कि पूरी बारात में सबसे ज़्यादा वही नज़र आ रहा है।

राजस्थान का रहस्यमयी मंदिरः 800 साल से यहां राक्षस को अर्पित होता है भोग

भारत रहस्यों और आस्था की भूमि है, जहाँ हर मोड़ पर ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं जो आधुनिक विज्ञान को भी रुककर सोचने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसा ही एक चमत्कार राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित देवी शीतला माता के प्राचीन मंदिर में देखा जा सकता है। इस मंदिर की कहानी जितनी विस्मयकारी है, उतनी ही भक्ति-भाव से भी भरी हुई है। यहाँ पिछले 800 वर्षों से एक अनोखी परंपरा चली आ रही है। एक ऐसी परंपरा जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है।

800 साल पुराना मंदिर : पाली ज़िले में स्थित, शीतला माता मंदिर के बारे में माना जाता है कि यह लगभग 800 साल पुराना है। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि इससे जुड़ी कई चमत्कारी कहानियों के कारण भी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। **रहस्यमयी ओखली का चमत्कार :** मंदिर परिसर के भीतर एक ओखली (मूसल कूटने का पात्र) है जो यहाँ आने वाले लोगों को आज भी हैरान कर देती है। कहा जाता है कि यह ओखली लगभग एक मीटर गहरी है, लेकिन इसमें चाहे कितने भी लीटर पानी क्यों न डाला जाए, यह कभी पूरी तरह से भरती नहीं है। भक्त इस घटना को देवी की दिव्य शक्ति का एक चमत्कारी रूप मानते हैं। इस मंदिर की सबसे अनोखी परंपरा यह है कि भक्त सबसे पहले एक राक्षस को *भोग* (पवित्र भोजन) चढ़ाते हैं, और उसके बाद ही देवी शीतला की पूजा करते हैं। यह परंपरा सुनने में जितनी अजीब लग सकती है, इसके पीछे की कहानी उतनी ही दिलचस्प और आस्था में गहरी जड़ें जमाए हुए है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लगभग 800 साल पहले, इस क्षेत्र में 'बबरा' नाम का एक राक्षस रहता था। वह इतना क्रूर था कि ब्राह्मणों के घरों में होने वाले विवाह समारोहों के दौरान वह दूल्हों की हत्या कर देता था। परिणामस्वरूप, पूरा क्षेत्र भय और शोक के माहौल में डूब गया था। लोगों की प्रार्थना सुनकर, देवी शीतला ने एक छोटी बच्ची का रूप धारण किया और अपनी दिव्य शक्ति से उस राक्षस का वध कर दिया।

जनजाति

भारत का हिस्सा फिर भी अलग कानून

खतरनाक द्वीप जहां कदम रखना मौत को दावत देना है

भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक ऐसा द्वीप है जो कागजों पर भारत का हिस्सा है, लेकिन वहां की दुनिया बिल्कुल अलग है। नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड दुनिया के सबसे रहस्यमयी और खतरनाक द्वीपों में गिना जाता है। यहां रहने वाली सेंटिनली जनजाति ने हजारों सालों से बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रखा है। भारत सरकार ने यहां आम नागरिकों के जाने पर सख्त पाबंदी लगा रखी है।

पाषाण युग में जीने वाली आखिरी जनजाति : नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड पर रहनेवाले सेंटिनली लोग दुनिया की आखिरी ऐसी जनजाति हैं जो आज भी पाषाण युग की तरह जीवन जी रहे हैं। ये लोग कपड़े नहीं पहनते और शिकार व मछली पकड़कर अपना गुजारा करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जनजाति करीब 60 हजार सालों से इस द्वीप पर रह रही है। हैरानी की बात यह है कि इन्होंने खेती करना तक नहीं सीखा और आग जलाने की जानकारी भी सीमित है।

कानूनी पाबंदी के पीछे दो अहम कारण

भारत सरकार नेअंडमान और निकोबार द्वीप समूह आदिम जनजातियों का संरक्षण विनियमन 1956 के तहत इस द्वीप के पांच समुद्री मील के दायरे में जाने पर रोक लगा रखी है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, वहां के लोगों का हिंसक होना जिससे जान का खतरा है। दूसरा और सबसे अहम कारण यह है कि सेंटिनली लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बाहरी दुनिया के मुकाबले बहुत कम है। हमारे लिए मामूली जुकाम या फ्लू भी उस पूरी जनजाति का सफाया कर सकता है।

बाहरी दुनिया से हिंसक व्यवहार का इतिहास

सेंटिनलीलोग किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने करीब नहीं आने देते। जब भी कोई नाव या हेलिकॉप्टर द्वीप के पास पहुंचता है, ये लोग तीर और पत्थरों से हमला कर देते हैं। साल 2006 में दो भारतीय मछुआरे गलती से इस द्वीप के पास चले गए थे, जिन्हें आदिवासियों ने मार डाला था। उनके शवों को वापस लाने गई पुलिस और सेना को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। यह हिंसक व्यवहार ही सरकार की पाबंदी की सबसे बड़ी वजह है।

सुनामी जैसी आपदाओं में भी रहस्यमयी बचाव

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड कासबसे बड़ा रहस्य यह है कि ये लोग बिना आधुनिक तकनीक के भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना कैसे करते हैं। 2004 में जब भीषण सुनामी आई थी, भारत सरकार ने मदद के लिए हेलिकॉप्टर भेजे थे। तब यह देखकर हैरानी हुई कि ये लोग न सिर्फ सुरक्षित थे, बल्कि उन्होंने मदद लेने के बजाय हेलिकॉप्टर पर तीर चलाकर अपनी नाराजगी जताई थी।

नौसेना की निगरानी और सरकार की नीति

इस द्वीप की संवेदनशीलता को देखते हुए भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल लगातार इस इलाके की गश्त करते हैं। किसी भी पर्यटक या शोधकर्ता को वहां जाने की अनुमति नहीं दी जाती। सरकार की नीति हस्तक्षेप न करने की है। यह भारत की इकलौती ऐसी जगह है जहां संप्रभुता भारत की है, लेकिन शासन वहां के आदिवासियों का चलता है।

अंतरिक्ष में मिला बड़ा बादल... पृथ्वी के सभी समंदर से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ा पानी बादल खोजा है। ये जिस जगह पर है, वहां अभी तक न कोई इंसान या स्पेसक्राफ्ट नहीं जा पाया है। यह पृथ्वी से 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर है। इस बादल में धरती पर मौजूद सभी महासागरों से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी है। इससे पता चलता है कि हमारा ब्रह्मांड कितना बड़ा है। पानी इतनी बड़ी मात्रा में होने से उम्मीद जगती है कि हम ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं। ये हमें प्रेरित करता है कि हम और ज्यादा खोज करें और ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की कोशिश जारी रखें।

ये पानी का बादल ब्रह्मांड के शुरुआती समय का है, जब आकाशगंगाएं बन रही थीं। ब्लैक होल अपने चारों तरफ के गैस को आकार दे रहे थे। ये बादल एक क्वासर के आसपास है, जिसके सेंटर में एक बड़ा ब्लैक होल है। ब्लैक होल इतना भारी है कि वह सूरज से 20 अरब गुना ज्यादा वजन है। ब्लैक होल के चारों तरफ गर्म गैस है, जिसमें पानी की भाप बहुत ज्यादा है।

अंतरिक्ष में इतना पानी यानी जीवन का सोर्स

वैज्ञानिक इस खोज से हैरान हैं क्योंकि पानी जीवन के लिए बहुत जरूरी है। अगर ब्रह्मांड के इतने शुरुआती समय में इतना पानी था, तो शायद जीवन की शुरुआत हमारी सोच से बहुत पहले हो चुकी होगी। ये बताता है कि पानी और जीवन के लिए जरूरी चीजें पूरे ब्रह्मांड में फैली हुई हैं, सिर्फ हमारे सौर मंडल तक सीमित नहीं हैं।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर रह जाएंगे हैरान

मारोस। रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है।

कहां पाया गया था यह अजगर?

2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है।

एक विशाल पांडा जितना है सांप का वजन

इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है। इसकी लंबाई के साथ-साथ इसका वजन भी देखा गया था, जो कि 96.5 किलो है। इसके लिए उन तराजू का इस्तेमाल किया गया था, जिनका उपयोग आमतौर पर चावल की बोरियों का वजन करने के लिए किया जाता है। इबू की देखरेख अब स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो कर रहे हैं, जिन्होंने एक सांप अभयारण्य भी बनाया हुआ है।

शिकार निगलते समय और बड़ा हो जाता है इबू का शरीर

नुग्राहा और फ्रेंटियू ने इबू के बारे में सुनते ही सुलावेसी की टिकट बुक कर ली थीं। दोनों यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उसका उचित दस्तावेजीकरण हो। उन्हें उम्मीद है कि इससे भविष्य में इबू और उसके जैसी अन्य प्रजातियों की रक्षा करने में मदद मिलेगी। फ्रेंटियू ने इस सांप के बारे में कहा, उसकी हर मांसपेशी एक शक्ति का स्रोत है। ऐसे सांप की ताकत और विशाल शिकार को निगलते समय उसके फैलने की क्षमता प्रभावित करती है।

युद्ध की परिस्थितियों में भी सुरक्षित हैं ईरान में मौजूद मंदिर

ईरान और अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरी दुनिया को उथल-पुथल में डाल दिया है। दोनों तरफ से हमले लगातार जारी हैं। आसमान से बरसती मिसाइलों ने दोनों पक्षों को भारी नुकसान पहुँचाया है। अब तक, कई इज़राइली और अमेरिकी लोगों की जान जा चुकी है। इस संघर्ष के बीच ईरान में एक हिंदू मंदिर भी सुर्खियों में आ गया है।

विष्णु मंदिर की विशेषताएं : भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर को एक शानदार इमारत के रूप में वर्णित किया गया है। मंदिर के अंदर एक चौकोर कमरा है, जिसके ऊपर एक बड़ा गुंबद बना हुआ है। इस मंदिर का निर्माण मूंगा पत्थर, गारा, मिट्टी और *लुई* (चूने) के प्लास्टर का उपयोग करके किया गया था। मंदिर में भगवान कृष्ण की कई मूर्तियाँ भी स्थापित हैं। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, भगवान कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां और पूर्ण अवतार माना जाता है।

130 साल पुराना हिंदू मंदिर

ईरान में हिंदू आबादी बहुत कम है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2010 में ईरान में लगभग 20,000 हिंदू रहते थे। बंदर अब्बास ईरान में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित एक शहर में एक लोकप्रिय हिंदू मंदिर है। भगवान विष्णु को समर्पित, यह मंदिर लगभग 130 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर का पुनर्निर्माण 1982 में किया गया था। इसे मूल रूप से मोहम्मद हसन खान साद-अल-मुल्क ने बनवाया था। ऐसा व्यापक रूप से माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में काम करने वाले भारतीय मज़दूरों ने किया था।

धरती पर बहने वाली दुनिया की सबसे लंबी और विशाल नदियां

नदियां इस धरती पर तब से बह रही हैं जब इंसानों का वजूद भी नहीं था, आज ये हमारी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा हैं। वैसे तो दुनिया में लाखों नदियां हैं, लेकिन क्या आप जानते है कि कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी हैं?

गंगा भारत की सबसे लंबी नदी : गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई करीब 2, 525 किमी है। गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर से निकलकर, भारत के पांच राज्यों से बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी है?

नील नदी : नील दुनिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 6,650 किमी है। यह नदी उत्तर-पूर्वी अफ्रीका से शुरू होकर अफ्रीका के युगांडा, सूडान और मिस्र जैसे 11 देशों से होकर भूमध्य सागर में जाकर मिल जाती है।

धरती की सबसे विशाल नदी अमेजन

अमेजन को धरती की सबसे विशाल नदी का टैग मिला हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नदी की लंबाई करीब 6,400 किमी है। अमेजन नदी पेरू, कोलंबिया और ब्राजील से होकर बहती है। इसके किनारे दुनिया की करीब 40 प्रतिशत जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की प्रजातियां रहती हैं। **एशिया की सबसे लंबी नदी चीन की यांग्त्जी :** चीन की यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई करीब 6,397 किमी के आसपास है। यह नदी तिब्बत पठार के ग्लेशियर से निकलकर पूर्वी चीन सागर में गिरती है। इसकी सबसे मजेदार बात यह है कि यह सिर्फ चीन में ही बहती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com